गुरुवार, 11 दिसम्बर 2025

मौसम

तापमान 15 – 26
आर्द्रता 57%
सूर्योदय: 06:05 सूर्यास्त: 16:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, पौष कृष्णपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : परिणाम हमेशा आपकी सोच के अनुरूप नहीं होता, वो मेहनत के अनुरूप होता है।

कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, रोहित शीर्ष पर बरकरार पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

लोकसभा: राहुल ने गृह मंत्री को चर्चा की चुनौती दी, शाह ने कहा मेरे भाषण का क्रम मैं तय करूंगा

नई दिल्ली : लोकसभा में बुधवार को चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी नोंकझोंक देखने को मिली। गृह मंत्री ने अपने भाषण में राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनमें लगाए गए आरोपों को असत्य बताया। राहुल गांधी ने इसका तुरंत जवाब देते हुए शाह को चुनौती दी कि सदन में उनके तीनों प्रेस कॉन्फ्रेंस पर चर्चा करा ली जाए। राहुल ने बीते महीनों में कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में वोट चोरी होने का आरोप लगाया था। शाह ने इन दावों को उदाहरण सहित खारिज करते हुए कहा कि राहुल द्वारा बताए गए हरियाणा के एक घर में 501 वोट वाली बात तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने बताया कि मकान नंबर 265 एक बड़ा, संयुक्त पुश्तैनी आवास है जिसमें कई परिवार रहते हैं और अलग-अलग घर नंबर न होने के कारण सभी के मतदाता पते में वही नंबर दर्ज है। गृह मंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से चली आ रही है और इसमें न तो कोई फर्जी घर है, न फर्जी वोट। शाह ने अन्य आरोपों को भी गलत बताया। इस पर विपक्ष ने आपत्ति जताई और सदन में हंगामा बढ़ा। इस पर राहुल ने उन्हें चर्चा करा लेने को कहा। इस दौरान कांग्रेस के कुछ अन्य सदस्य भी गृह मंत्री के बयान पर आपत्ति जताते देखे गए और अपने स्थान पर खड़े हो गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि गृह मंत्री का भाषण पूरा होने के बाद विपक्ष के सदस्य अपने सवाल पूछ सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस के कुछ सदस्य शाह के स्पष्टीकरण देने पर जोर देते रहे। इस दौरान अमित शाह ने थोड़े तीखे लहजे में कहा, ''मैं 30 साल से विधानसभा और संसद में हूं। संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। वह कह रहे हैं कि पहले उनकी बात का जवाब दें। आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। उन्हें धैर्य होना चाहिए। मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते।'' उधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, ''अमित शाह का जवाब पूरी तरह घबराहट भरा और डिफेंसिव है।''

अवैध घुसपैठियों को बचाने के लिए विपक्ष एसआईआर का विरोध कर रहा: अमित शाह

लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समेत विपक्ष विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अवैध घुसपैठियों को मतदाता सूची में बनाए रखना चाहता है। शाह ने कहा कि सरकार की नीति घुसपैठियों को पहचानकर सूची से हटाने और देश से बाहर करने की है, जबकि विपक्ष उन्हें मान्यता देना चाहता है। उनके बयान के विरोध में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट किया। शाह ने कहा कि विदेशी नागरिक भारत में वोट नहीं कर सकते और जनसांख्यिकीय बदलाव देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने दावा किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बाड़बंदी का काम पूरा हो चुका है, सिर्फ पश्चिम बंगाल में स्थानीय सरकार के विरोध के कारण कार्य अधूरा है। शाह ने तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि घुसपैठियों को बचाने की कोशिश भाजपा की जीत को और पक्का करेगी।

कांग्रेस की हार की वजह मतदाता सूची नहीं, आपका नेतृत्व है

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झूठ फैलाने और पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह ईवीएम एवं मतदाता सूची नहीं, बल्कि राहुल गांधी का नेतृत्व है। उन्होंने लोकसभा में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि एक दिन कांग्रेस के कार्यकर्ता हार का हिसाब मांगेंगे।

गौरव का पल, दीपावली यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल

नयी दिल्ली : भारत के प्रमुख उत्सव दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया। दिल्ली में लाल किले पर आयोजित यूनेस्को की एक अहम बैठक में यह फैसला लिया गया। यह पहली बार है कि भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में आठ से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। विभिन्न पारंपरिक परिधानों में सजे कलाकारों ने मुख्य मंच के सामने प्रस्तुति दी और एक बड़ी स्क्रीन पर दीपावली उत्सव के चित्र प्रदर्शित किए गए। अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) के संरक्षण के लिए अंतरसरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान दीपावली के इस सूची में शामिल होने की घोषणा के तुरंत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश की ओर से एक बयान दिया। यह मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है।

यूनेस्को का दर्जा मिलने से दीपावली की वैश्विक लोकप्रियता में वृद्धि होगी : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इससे त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और वृद्धि होगी। मोदी ने यूनेस्को द्वारा दीपावली को अपनी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किये जाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत और दुनिया भर के लोग रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता का सार है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने से त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और भी अधिक वृद्धि होगी।

एसआईआर: मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले पार्टियों को मृत, अनुपस्थित मतदाताओं की सूची मिलेगी

नई दिल्ली : निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बुधवार को कहा कि जिन 12 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है, वहां मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ-स्तरीय एजेंट को मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। नौ राज्यों और तीन केंद्र-शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि इन 12 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) से बूथ-वार अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की सूची बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) के साथ साझा करने के लिए कहा गया है। ये वे मतदाता हैं, जिनसे बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) तीन प्रयासों के बावजूद संपर्क स्थापित नहीं कर सके। निर्वाचन आयोग ने बिहार में एसआईआर के दौरान भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई थी।

सीएसआर नीति बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य

पटना : बिहार की नव अधिसूचित राज्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति को प्रभावी बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) एवं चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक लीडरशिप (सीआईएमपी) ने महत्वपूर्ण पहल की है। बुधवार को पटना में आयोजित पांचवें अंतरराष्ट्रीय सीएसआर सम्मेलन (आईसीसीएसआर) के दौरान दोनों संस्थानों ने उच्च-स्तरीय गोलमेज बैठक का आयोजन किया, जिसमें बिहार राज्य सीएसआर नीति 2025 को मजबूत बनाने और उसके जमीनी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार देश का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी अलग राज्य सीएसआर नीति तैयार कर अधिसूचित की है। भारतीय कॉरपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) के पूर्व महानिदेशक भास्कर चटर्जी ने कहा कि यह नीति कॉरपोरेट जगत को स्पष्ट दिशा देती है, हालांकि बिहार में निवेश आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन प्रावधानों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।

संदेशखाली हिंसा मामले के मुख्य गवाह के बेटे समेत दो की सड़क हादसे में मौत

परिजनों को शेख शाहजहां पर जताया संदेह

कोलकाता, समाज़ा : संदेशखाली हिंसा मामले में टीएमसी के निलंबित नेता शेख शाहजहां के खिलाफ अहम गवाह भोला घोष के बेटे सत्यजीत घोष और ड्राइवर शहनूर मोल्ला की बुधवार की सुबह एक भयानक सड़क हादसे में मौत हो गई। भोलानाथ इस हादसे में घायल हैं और कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं। यह हादसा तब हुआ जब वे बशीरहाट कोर्ट में शाहजहां के खिलाफ सीबीआई केस में गवाही देने जा रहे थे। परिवार और विपक्ष ने इसे सोची-समझी साजिश बताते हुए शाहजहां पर हत्या का आरोप लगाया है। हादसा बसंती राजमार्ग पर हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी जिसमें गवाह और उनका बेटा बैठे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन सड़क किनारे के नाले में जा गिरा। सत्यजीत घोष और मोल्ला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। भोला घोष और उनके बड़े बेटे बिश्वजीत घोष के मुताबिक ये कोई आम सड़क हादसा नहीं था। भोला ने कहा कि जिस तरह ट्रक कार से टकराई उससे शक लाजिमी है कि ये मुझे मारने की नीयत से किया गया था, इसलिए क्योंकि मैं इस केस का गवाह था। मैं हादसे के बाद कुछ देर तक भाव-शून्य रहा। सब कुछ पूर्व नियोजित सा लगा। मेरी यही प्रार्थना है कि पुलिस प्रशासन इस मामले की ठीक-ठाक से जांच पड़ताल करे। गवाह के बड़े बेटे बिश्वजीत घोष ने कहा कि उन्हें शेख शाहजहां के दो करीबी गुर्गों पर शक है। हमें यकीन है कि मुस्लिम खान और सबिता रॉय ही इस पूरी वारदात के मास्टरमाइंड हैं। इन्होंने ही मेरे पिता को शाहजहां के खिलाफ बयान दर्ज न करने से रोकने की खातिर ये सबकुछ किया। बशीरहाट जिला पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि बुधवार की दोपहर तक उन्हें इस मामले में गड़बड़ी का दावा करने वाली कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया, पश्चिम एशिया की स्थिति से अवगत कराया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। नेतन्याहू ने मोदी को टेलीफोन किया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना का शीघ्र कार्यान्वयन भी शामिल है।'' बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी में प्रगति पर संतोष जताया और परस्पर लाभ के लिए इन संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें कहा गया है, ''दोनों नेताओं ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के सभी रूपों को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने दृष्टिकोण को दोहराया।'' बयान में यह भी कहा गया है कि दोनों नेता एक दूसरे के संपर्क में रहने पर भी सहमत हुए।

'वीर सावरकर पुरस्कार' स्वीकार नहीं करूंगा और ना ही समारोह में भाग लूंगा: शशि थरूर
पृष्ठ 7

चांदी एक दिन में 11,500 रुपये उछलकर 1.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर, सोना भी तेज

नयी दिल्ली : वैश्विक संकेतों के कारण मजबूत घरेलू मांग आने के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी 11,500 रुपये की जबर्दस्त उछाल के साथ 1,92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई। यह पिछले दो महीनों के दौरान एक कारोबारी दिवस में चांदी की कीमत में आई सबसे बड़ी तेजी रही। इस साल अब तक चांदी की कीमतों में कुल 1,02,300 रुपये यानी 114.04 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है। इसकी कीमत 31 दिसंबर, 2024 को 89,700 रुपये प्रति किग्रा थी। इससे पहले, चांदी की कीमत में एक दिन की इतनी तेज बढ़ोतरी इस साल 10 अक्टूबर को दर्ज की गई थी। उस दिन इसकी कीमत 8,500 रुपये उछलकर 1,71,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई थी। इस बीच, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 800 रुपये बढ़कर 1,32,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई, जबकि मंगलवार को यह 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

Dr Santosh Kumar

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर-समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ-साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों भी नहीं रहता।

-जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

-फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त

Dr Santosh Kumar activating the Robotic Arm during Robotic Knee Replacement

द्वारा प्राप्त किया जाता है।

-स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

इंडिगो संकट पर उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से किया सवाल: 'ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई'

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से बुधवार को सवाल किया कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई जिसके कारण इंडिगो की कई उड़ान रद्द करनी पड़ीं। अदालत ने इन हालात को संकट करार दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा, यह अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने यह सवाल भी किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में दूसरी विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं। अदालत ने सवाल किया, जो टिकट 5,000 रुपये में मिल रहा था, उसका मूल्य 30,000 से 35,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? यदि यह संकट की स्थिति थी तो दूसरी विमानन कंपनियों को इसका लाभ कैसे उठाने दिया गया? किराया 35,000 और 39,000 रुपये तक कैसे पहुंच गया? अन्य विमानन कंपनियों ने शुल्क लेना कैसे शुरू कर दिया? पीठ ने इस मामले पर डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सुनवाई की। पीठ ने कहा कि यदि समिति द्वारा शुरू की गई जांच पूरी हो जाती है तो उसकी रिपोर्ट अगली तारीख 22 जनवरी को अदालत में सीलबंद लिफाफे में पेश की जाए। अदालत ने कहा, हम नागर विमानन मंत्रालय और डीजीसीए द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं, लेकिन हमें यह चिंता है कि आखिर ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न होने दी गई, जिसके कारण पूरे देश के हवाई अड्डों पर लाखों यात्री फंसे रहे।

डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ का आज पेश होने का दिया निर्देश

मुंबई : विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने संकटग्रस्त इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स को बृहस्पतिवार को उनके कार्यालय में उपस्थित होने और हालिया परिचालन व्यवधानों से संबंधित व्यापक एवं अद्यतन जानकारी से लैस एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। एल्बर्स को बृहस्पतिवार को दोपहर तीन बजे डीजीसीए कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

इंडिगो ने तीन महानगर हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कीं

मुंबई : इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है। सूत्रों के अनुसार, संकटग्रस्त एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 उड़ानें और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं। सूत्रों के अनुसार, इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 61 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं।

इंडिगो के परिचालन पर नजर रखने के लिए डीजीसीए ने आठ-सदस्यीय दल का गठन किया

मुंबई : परिचालन व्यवधान से गुजर रही एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी करते हुए विमानन नियामक डीजीसीए ने चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद आठ सदस्यीय निगरानी दल का गठन किया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के बुधवार को जारी आदेश के मुताबिक, इस निगरानी दल में एक उप मुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे। नियामक ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स को बृहस्पतिवार को अपने कार्यालय में पेश होने और हालिया परिचालन बाधाओं से जुड़ी पूरी रिपोर्ट, आंकड़ों और अन्य सूचनाओं के साथ जमा करने को भी कहा है।

धनी देशों की तंगदिली से बढ़ेगी मृत्यु दर

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए।

दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 दिसम्बर, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, पौष कृष्णपक्ष सप्तमी, 14:02 तक, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 27:52 तक, योग : विष्कंभ, 11:42 तक, सूर्योदय: 06:05, सूर्यास्त: 16:53, चन्द्रोदय : 23:24, चन्द्रास्त: 11:21, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : वृश्चिक, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 12:49 से 14:09

राशिफल

मेष : राशि का स्वामी नवम प्रमुख त्रिकोण भाव लग्न तुला में धनु राशि का होकर संचार कर रहा है। द्वादश व्यय भाव में मीन राशि का शनि मार्गी होकर भी उत्तम राजयोग का निर्माण कर रहा है।

वृष : आपकी राशि का स्वामी शुक्र सप्तम सुख भाव भाव केंद्र में चंद्रमा के साथ मार्गी है। चंद्रमा का चतुर्थ भाव में होना आपको आज राज्य से सम्मान दिलाएगा।

मिथुन : राशि का स्वामी बुध वृश्चिक राशि का होकर षष्ठम शत्रु चिंता केंद्र भाव में विराजमान होकर द्वादश को संपूर्ण शुभ दृष्टि से देख रहा है। चंद्रमा सिंह राशि पर संचार कर रहा है।

कर्क : आपकी राशि पर कर्क राशि का बृहस्पति सर्वत्र विजय विभूति सफलता देने वाला है। आज चंद्रमा भी द्वितीय भाव में मनोरथ सिद्धि कारक है। सक्रिय राजनीति में व्यस्त रहेंगे।

सिंह : आज के दिन आप प्रतिद्वंद्वियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। कारोबार में अकस्मात् आशा से अधिक लाभ व प्रगति होगी। इससे खोया हुआ विश्वास दोबारा प्राप्त होगा।

कन्या : काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, आज उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। ज्ञान विज्ञान कला और लेखन कार्य में आपकी दक्षता रंग लाएगी।

तुला : वैसे तो आप इस प्रकार के काम करते रहते हो जो दूसरों के लिए जोखिम भरे होते हैं। आप यही सोचकर आगे बढ़े कि किसी संकट में फंस जाते हैं तो क्या कर सकते हैं।

वृश्चिक : आज आपका घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में व्यतीत होगा।

धनु : आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको आज अपनी रणनीति पर काम करना होगा।

मकर : आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आपको दिनभर भागदौड़ करने के लिए तैयार रहना होगा। व्यर्थ की जद्दोजहद तथा तनाव भी समाप्त होने लगेगा।

कुम्भ : आजकल एकदम से बहुत सारे काम आपके आगे पीछे आ सकते हैं। आपके विरोधी भी कुछ ऐसा बंदोबस्त कर रहे हैं कि आप फालतू कामों में उलझे रहे हैं।

मीन : जितना भी हो सके आज आप अपने परिवार और रोजगार को ही ठीक तरह से संभालने की कोशिश करें। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा: भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

परिवर्तन को दर्ज करने वाला क्षण

ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प

इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों, शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

परंपरा का आधुनिक अभिव्यक्ति में विस्तार

आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को 'पेरिस हौते कॉउचर वीक' में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब ट्रांसफ़ॉर्मिंग वल्र्ड्स जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि: जब हम ऐसा करते हैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं। उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके।

विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट, माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत

भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं है बल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

यह आंदोलन जैसे-जैसे मज़बूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ़ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीज़ें चुनता है या हर बार जब कोई डिज़ाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत की आने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

यूपी/बिहार/झारखंड/राजस्थान

आधुनिक राजस्थान बनाने में सहभागी बनें प्रवासी राजस्थानी: मुख्यमंत्री

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी समुदाय से आधुनिक राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए बुधवार को कहा कि 'विकसित भारत-2047' के संकल्प में इस राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। शर्मा यहां पहले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दुनिया भर से आए प्रवासी राजस्थानियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल समारोह नहीं, बल्कि राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और वैश्विक पहचान का मिलन है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी रहने वाले प्रवासी राजस्थानी आज भी अपनी मिट्टी से जुड़े हैं और उन्होंने देश-दुनिया में राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों

के योगदान और उनके सम्मान के उत्सव के रूप में हमने हर वर्ष 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश और प्रवासी समुदाय के जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने अगले वर्ष फिर से 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के आयोजन की घोषणा की। उन्होंने प्रवासी समुदाय से आग्रह किया कि वे राजस्थान आएं और खुशहाल एवं आधुनिक राजस्थान के निर्माण में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के हितों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग का गठन किया गया है। इसी क्रम में 'प्रवासी राजस्थानी नीति' आज जारी की गई है, जो विश्व भर में बसे राजस्थानियों को पहचान, सुविधा और निवेश के लिए रोडमैप प्रदान करेगी। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका है। गत वर्ष 'राइजिंग राजस्थान समिट' के दौरान 35 लाख करोड़ रुपये के समझौते एमओयू किए थे और आज एक लाख करोड़ रूपये के एमओयू की 'ग्राउंड ब्रेकिंग' के साथ ऐसे आठ लाख करोड़ रुपये के करार धरातल पर उतर चुके हैं।

राजस्थान बन रहा है निवेश स्थान : शेखावत

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कहा कि उद्योग स्थापना के लिए भूमि, ऊर्जा, जल, कच्चा माल एवं शांतिपूर्ण तथा सुरक्षित वातावरण पांच अनिवार्य आधार स्तंभ हैं और सभी आयामों पर मजबूत स्थिति राजस्थान को 'निवेश स्थान' के रूप में विकसित कर रही है। शेखावत ने कहा कि किफायती एवं पर्याप्त भूमि उपलब्धता, अक्षय ऊर्जा उत्पादन में राष्ट्रीय नेतृत्व, जलापूर्ति संरचना के सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित वातावरण तथा मजबूत सड़क एवं परिवहन तंत्र के कारण राजस्थान निकट भविष्य में देश का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है।

बिहार: मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा में स्वीकृत 430 योजनाओं की समीक्षा की

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' (मुख्यमंत्री का सरकारी आवास सह कार्यालय) में प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विकास

योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि प्रगति यात्रा के दौरान विभिन्न जिलों में कुल 430 विकास योजनाओं को स्वीकृति दी गई थी, जिनकी अनुमानित लागत 50 हजार करोड़ रुपये है। इनमें से 428 योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है, जो 22 विभागों से संबंधित हैं, जबकि दो योजनाएं तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बताया कि जल संसाधन विभाग की अधिकतर योजनाओं के कार्य पूरे हो चुके हैं और शेष योजनाओं पर तेजी से काम जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के दिसंबर और 2025 के जनवरी एवं फरवरी में प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया गया था और जहां भी कमी पाई गई, वहां तत्काल नयी योजनाएं स्वीकृत की गईं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है, उन्हें तय समय पर पूरा किया जाए और जिन योजनाओं की स्वीकृति लंबित है, उनकी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी की जाएं।

नशाखोरी और स्मार्टफोन की लत युवाओं के लिए सबसे बड़े खतरे : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (उप्र) : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नशाखोरी और स्मार्टफोन की लत को आज के युवाओं के लिये सबसे बड़ा खतरा करार देते हुए बुधवार को कहा कि युवाओं से अपने और देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इन दोनों बीमारियों से दूर रहने की जरूरत है। महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) के 93वें संस्थापक सप्ताह के ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे की लत में फंसा युवा परिवार, समाज या देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा सकता। उन्होंने कहा, आज के युवाओं के सामने दो सबसे बड़े खतरे हैं, जिनमें नशाखोरी और स्मार्टफोन की लत शामिल है। उन्हें अपने और अपने देश के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए इन दोनों से दूर रहना चाहिए। आदित्यनाथ ने इस मौके पर उत्तराखंड के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (रिटायर्ड) का चीफ गेस्ट के तौर पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को आगाह किया कि ड्रग माफिया युवा पीढ़ी को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, आपको सतर्क रहना होगा। शैक्षणिक संस्थाओं को भी सावधान रहना होगा। युवाओं को नशे के खिलाफ एक नई लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा क्योंकि दुश्मन किसी न किसी रूप में घुसपैठ करना चाहता है। उसे

राजस्थान: घर में आग लगने से दो बहनें जिंदा जलीं

जयपुर : राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में मंगलवार देर रात एक घर में आग लगने की घटना में दो बहनों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों बहनों की मौत जलने से गई। उन्होंने बताया कि यह घटना मलारना डूंगर थाना क्षेत्र के पीपलवाड़ा नदी गांव में मंगलवार देर रात हुई। थानाधिकारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि मंगलवार देर रात पीपलवाड़ा नदी गांव में एक घर में आग लग गई।

बिहार में बंद होगा 'गुंडा बैंक', एआई आधारित कैमरों से होगी निगरानी: सम्राट चौधरी

पटना : बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा कि राज्य में चल रहे 'गुंडा बैंक' के अवैध कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। सम्राट ने स्पष्ट किया कि सूद पर पैसा देकर मनमाना ब्याज वसूलने और लोगों को जमीन गिरवी रखने के लिए मजबूर करने वाली इस अवैध व्यवस्था को बंद करना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि बिहार में सूद पर पैसा देकर मनमाना ब्याज वसूलने वाले अवैध संस्थाओं को 'गुंडा बैंक' कहा जाता है। चौधरी ने कहा कि राज्य में अब केवल भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत बैंक ही संचालित होंगे और 'गुंडा बैंक' के लिए बिहार में कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कैमरे लगाने की घोषणा भी की।

वर्ग पहेली नं. 3288

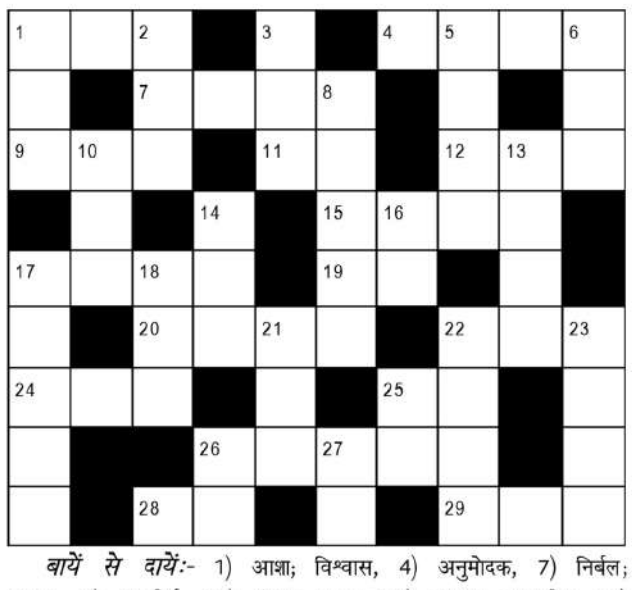

बायें से दायें:- 1) आशा; विश्वास, 4) अनुमोदक, 7) निर्बल; अशक्त, 9) अनुत्तीर्ण, 11) शृंखला; माला, 12) अष्टपद जालकीट, 15) टीन का पीपा, 17) प्रारब्ध, 19) क्षण, 20) झरोखा, 22) प्रबल, 24) खींचा जाना, 25) अस्थमा, 26) चिन्ह, 28) राष्ट्र, 29) आश्चर्य.

ऊपर से नीचे:- 1) उँडेलना, 2) हिम्मत, 3) एक छोटा रोएँदार कीड़ा, 5) नशे में चूर, 6) एक बेल का फल, 8) बाल्यावस्था, 10) एक साग, 13) कारनामा, 14) घुटा पदार्थ, 16) जल कल की टोटी, 17) झुंझलाना, 18) प्रेम में पागल, 21) अनाथ, 22) भेदभावहीनता, 23) लबरेज़, 25) हालत; परिस्थिति, 26) बंटा ढार, 27) श्रद्धा एवं भक्ति. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

द	श	ह	रा	■	ब	द	च	ल	न
■	ह	या	■	बा	द	ल	■	फं	■
ब	द	त	र	■	का	■	अं	गा	र
ल	■	■	सा	द	र	■	जा	■	ढी
वा	च	ना	ल	य	■	उ	म	र	■
■	ह	रा	■	नी	च	ता	■	ज	ञ्ञ
त	क	■	भ	य	■	व	■	नी	■
ब	ना	व	ट	■	क	ला	कु	श	ल
ला	■	■	का	र	ण	■	छ	■	हू

सुडोकू-पहेली-3246

					2			
				9				
7	4	8						
1					3	5		
9			2					8
	6	2	4			9		
				7			3	
						6	2	
	7				1		4	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3245 का उत्तर

9	6	5	4	2	3	1	7	8
7	8	1	5	9	6	3	2	4
4	2	3	7	1	8	5	6	9
8	5	7	1	3	2	4	9	6
3	9	2	6	8	4	7	1	5
1	4	6	9	7	5	2	8	3
6	7	8	3	5	1	9	4	2
5	1	4	2	6	9	8	3	7
2	3	9	8	4	7	6	5	1

पहली पत्नी के वोटर कार्ड का दुरुपयोग कर दूसरी बांग्लादेशी पत्नी का नाम सूची में जोड़ने का आरोप

❑ पति के खिलाफ शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के हांसखाली इलाके में एक व्यक्ति पर आरोप है कि उसने पहली पत्नी के वोटर कार्ड का दुरुपयोग कर दूसरी पत्नी, जो बांग्लादेशी नागरिक है, का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की कोशिश की। मामला बुधवार को उस समय सामने आया जब पहली पत्नी ने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत हांसखाली थाने और राणाघाट के एसडीओ भरत सिंह के पास दी गई है।

अशोक रॉय की पत्नी उषा रॉय, जो श्यामनगर मठपाड़ा की निवासी हैं। पति के अत्याचार के कारण वह घर छोड़कर चली गई थीं। कानूनी रूप से दोनों में तलाक अभी नहीं हुआ है, लेकिन इसी बीच अशोक ने दूसरी शादी कर ली। इस संबंध में स्थानीय लोगों का दावा है कि वह बांग्लादेशी नागरिक है। आरोप है कि अशोक ने पहली पत्नी उषा की ईपीआईसी (वोटर) कार्ड चुरा लिया और उसकी पहचान का इस्तेमाल करके अपनी दूसरी पत्नी का नाम जोड़ने की कोशिश की। उषा को पड़ोसियों से इस पूरे मामले की जानकारी हुई। उन्हें यह भी पता चला कि उनका पति दूसरी बार शादी कर चुका है। उषा ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के लिए जब वह नामांकन फॉर्म लेने गईं, तो उन्हें पता चला कि उनके पति ने पहले ही फॉर्म ले लिया, उसे भरकर जमा भी कर दिया है। जब उन्होंने इसका कारण जानने के लिए पति से बात करने की कोशिश की तो अशोक ने उन्हें घर से भगा दिया। उषा का आरोप है कि मेरे ईपीआईसी नंबर, नाम, उम्र और पते का इस्तेमाल करके एक बांग्लादेशी महिला के लिए वोटर कार्ड बनाया गया। सिर्फ तस्वीर बदलकर उसकी दूसरी पत्नी की तस्वीर लगा दी गई। मैंने हांसखाली थाने और राणाघाट एसडीओ को लिखित शिकायत की है। पता चला है कि अशोक की दूसरी पत्नी का नाम ब्यूटी रॉय है। आरोप लगने के बाद दोनों घर से गायब हो गए। अशोक के भाई नवकुमार रॉय ने भी स्वीकार किया कि अशोक ने गलत काम किया है। उसने अपनी पहली पत्नी के ईपीआईसी नंबर पर दूसरी पत्नी की तस्वीर लगा दी। स्थानीय बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) बिस्वजीत बर ने भी कहा कि मामला उनके संज्ञान में आ चुका है। उन्होंने बताया कि दोनों का ईपीआईसी नंबर एक ही है, लेकिन तस्वीरें अलग हैं। मामले की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करें : सामिक भट्टाचार्य

नयी दिल्ली/कोलकाता : राज्यसभा में बुधवार को भाजपा के सामिक भट्टाचार्य ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' पर चर्चा के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों से एक-दूसरे पर आरोप लगाने से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि इस समय हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करना चाहिए। इस दिन, 'वंदे मातरम' की रचना के 150 बरस पूरे होने पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा ले रहे भट्टाचार्य ने कहा कि इस दौरान हमें अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करना चाहिए, न कि एक दूसरे पर आरोप लगा कर बहस का स्तर कमतर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की वजह से ही आज हम आजाद हवा में सांस ले रहे हैं। भट्टाचार्य ने कहा कि लोकतंत्र की बात करने वाले को देखना चाहिए कि 'वंदे मातरम' की पवित्र भूमि पर आज बाबरी मस्जिद बनाई जा रही है, यह देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में रोहिंग्या की घुसपैठ चिंता की बात है। हमें अपने देश की सुरक्षा के लिए हमेशा सचेत और सतर्क रहना चाहिए और आपसी मतभेदों के चलते ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जिससे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों की वजह से मिली आजादी को खतरा हो।

वोट से पहले ममता का मेगा रोड ब्लूप्रिंट!

❑ गुरुवार से 20 हजार किलोमीटर सड़कें एक साथ बननी शुरू हो जाएंगी

कोलकाता : विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ममता बनर्जी सरकार ने सड़क विकास को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नबान्न से रिमोट दबाकर पथश्री और रास्ताश्री योजना के चौथे चरण में एक साथ करीब बीस हजार किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगी।

इस बार सबसे बड़ा हिस्सा पंचायती राज विभाग के पास है जहाँ नौ हजार एक सौ चौदह सड़कें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई पंद्रह हजार ग्यारह किलोमीटर होगी और अनुमानित खर्च लगभग सात हजार करोड़ रुपये आएगा। वहीं कोलकाता महानगर विकास प्राधिकार क्षेत्र में ग्यारह हजार तीन सौ पैंसठ सड़कें बनेंगी जिनकी लंबाई पाँच हजार उन्नीस किलोमीटर होगी और इसके लिए डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह काम जनवरी से शुरू होगा।

दोनों योजनाओं को मिलाकर इस चरण में कुल बीस हजार चार सौ उनासी सड़कें बनेंगी जिनकी कुल लंबाई बीस हजार तीस किलोमीटर होगी और पूरा खर्च लगभग बाईस हजार करोड़ रुपये आएगा। सूत्र बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री के रिमोट दबाते ही ग्रामीण इलाकों में पथश्री की पंद्रह हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कों का काम तुरंत शुरू हो जाएगा।

राज्य के इतिहास में एक बार में शुरू होने वाली यह सबसे बड़ी सड़क परियोजना है और इसका संदेश साफ है कि गांव हो या शहर हर तरफ सड़कें सिर्फ तृणमूल सरकार बना रही है।

NAME CHANGE

I, Geeta Tiwari, W/o. Gopal Tiwari, r/o.- Gali No.14, NavJeevan Colony, Chhola Road, Huzur, Bhopal G.P., Madhya Pradesh-462001, declare that my actual name spelling have change and shall henceforth be known as from Geeta Tiwari (Aadhar Card) to Gita Tiwari (in some docs), vide Affidavit Sl. No. 6801 dt 13.11.25, declare before the Ld 1st Class Magistrate at Kolkata. Henceforth, Geeta Tiwari and Gita Tiwari both are same and one identical person.

Name Change

I, Ujash Somani (old name) S/O Late Nand Lal Somani, resident of 89/297 BANGUR PARK RISHRA, HOOGHLY- 712248, West Bengal, India, have changed my name and shall henceforth be known as Ujash Chand Somani (new name), as declared Before the Notary Public at Kolkata, vide an affidavit dated 10/12/2025. Ujash Chand Somani (new name) and Ujash Somani (old name) both are same and one identical person.

Name Change

I, MASOOM RAZA & MASIM RAJA(OLD NAME),SON OF LATE WALI HAIDAR @ KHALEK SEKH @ BOLI HAIDER, RESIDING AT VILL- UTTAR GANIPUR, MALLICK PARA, PO-GANIPUR, PS-MAHESHTALA, SOUTH 24 PARGANAS, KOLKATA-700141, WEST BENGAL, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS RAJA SEKH (NEW NAME) VIDE AN AFFIDAVIT NO 72931 SWORN BEFORE THE LD 1ST CLASS JUDICIAL MAGISTRATE AT ALIPORE ON 29/11/2025. MASOOM RAZA & MASIM RAJA AND RAJA SEKH BOTH ARE THE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

I,AMBER KUMAR CHANDGOTHIA (OLD NAME), SON OF LATE AMARAM CHANDGOTHIA, RESIDING AT 13, CHAPEL ROAD, PO & PS - HASTINGS, KOLKATA, 700022, WEST BENGAL, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS AMBER CHANDGOTHIA (NEW NAME) VIDE AN AFFIDAVIT SWORN BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 08/12/2025. AMBER KUMAR CHANDGOTHIA AND AMBER CHANDGOTHIA BOTH ARE THE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

राज्य में गुंडागर्दी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं : राज्यपाल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल डॉ. सी वी आनंद बोस ने बुधवार को साफ कहा कि राज्य में किसी भी परिस्थिति में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दिन, वे हावड़ा स्टेशन के न्यू कॉम्प्लेक्स स्थित प्लेटफॉर्म नंबर 22 पर पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान यह सख्त संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि हाल में ब्रिगेड परेड ग्राउंड में हुए गीता पाठ कार्यक्रम के दौरान एक नॉन-वेज पॅटिस विक्रेता को कुछ युवकों ने बुरी तरह पीटा था और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले को वे तुरंत संज्ञान में लेंगे और राज्य में किसी भी तरह की गुंडागर्दी को किसी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने

पुलिस को निष्पक्ष जांच करने का भी निर्देश दिया। इसी बीच, खड़दह इलाके में एक बीएलओ के घर पर हमले की घटना पर जब राज्यपाल से पूछा गया कि क्या बीएलओ कर्मियों को केंद्रीय सुरक्षा की आवश्यकता है, तो उन्होंने कहा कि पहले वे इस पूरे मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों से लेंगे, उसके बाद ही प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करेंगे।

ग्रामीण सड़कों के लिए नबान्न का नया निर्देश

विधानसभा चुनाव से पहले 'पथश्री' को बनाना चाहती हैं तृणमूल की सबसे बड़ी हथियार

कोलकाता : 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले गांव-गांव तक पहुंच बनाने के लिए ममता सरकार ने 'पथश्री' परियोजना को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। राज्य के अपने खजाने से 9 हजार किलोमीटर से ज्यादा ग्रामीण सड़कें बनाने वाली इस योजना को जनता के बीच भुनाने के लिए नबान्न ने 9 सूत्री अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है।

नबान्न के आदेश के मुख्य बिंदुः

■ हर ग्राम पंचायत क्षेत्र में यह माइकिंग कर प्रचार किया जाए कि कौन-कौन सी सड़कें पथश्री योजना से बन या मरम्मत हो रही हैं। इसके लिए गाड़ी पर माइक लगाकर मोहल्ला-मोहल्ला घूमना अनिवार्य।

■ घर-घर हैंडबिल व लीफलेट बांटे जाएं।

■ पंचायत विभाग ऑडियो कैसेट तैयार कराएगा, जिसे गांव के हाट-बाजारों में लगातार बजाया जाए।

■ हर ग्राम पंचायत में होर्डिंग, फ्लेक्स, पोस्टर और बैनर लगाए जाएं।

■ सड़क का शिलान्यास होते ही टैब्लो निकालकर पूरे इलाके में प्रचार किया जाए।

■ प्रस्तावित सड़क के किनारे बड़ा बोर्ड लगाया जाए, जिसमें साफ-साफ लिखा हो – यह सड़क पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की पथश्री योजना से बन रही है।

■ जिला और ब्लॉक स्तर पर सोशल मीडिया पर लगातार कैंपेन चलाया जाए।

■ जनप्रतिनिधियों के साथ जिला, ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकें हों, जिसमें कम से कम 50% महिलाओं की उपस्थिति अनिवार्य हो।

सूत्रों के मुताबिक, नबान्न का साफ निर्देश है कि पथश्री को 2026 का सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाना है और हर गांव तक यह संदेश पहुंचना चाहिए कि ग्रामीण सड़कें सिर्फ और सिर्फ तृणमूल सरकार बना रही है।

खड़दह में रात के अंधेरे में बीएलओ के घर पर हमला

कोलकाता, समाज्ञा : मतदाता सूची के प्रकाशन से कुछ ही दिन पहले एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के घर पर हमले की घटना ने चुनावी माहौल में हलचल मचा दी है। खड़दह के सूर्यसेन इलाके के निवासी मानब चंद के घर पर मंगलवार की रात अज्ञात बदमाशों ने हमला बोला। मानब चंद खड़दह विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 43 में बीएलओ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। शिकायत के अनुसार, रात में अचानक बदमाशों के एक गिरोह ने उनके घर पर हमला किया। हमलावरों ने ईंट-पत्थर फेंके और दरवाजे पर लगातार लात-घूसे भी किए। इस घटना से मानब चंद और उनके परिवार के सदस्य बुरी तरह सहम गए। जैसे ही इलाके में घटना की जानकारी फैली, सूर्यसेन इलाके में हंगामा मच गया। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की सूचना स्थानीय निर्दलीय पार्षद अर्पिता दासगुप्ता को दी गई, जो मौके पर पहुंचीं और पूरे मामले की जांच की। घटना के बाद मानब चंद ने रात में ही स्थानीय खड़दह थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पार्षद अर्पिता दासगुप्ता ने दावा किया कि उनके वार्ड में जो बीएलओ एसआईआर (विशेष संशोधन) से संबंधित काम कर रहे हैं, वे सभी अपनी जान के खतरे से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बीएलओ ने फोन पर उन्हें यह बात बताई है। इस घटना के बाद बीएलओ मानब चंद ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने की घोषणा की है। साथ ही, उन्होंने पर्याप्त सुरक्षा की मांग भी की है।

कोलकाता में बीएलओ के साथ गाली-गलौज व धमकी, मतदाता के खिलाफ शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर समेत राज्यभर में जारी एसआई प्रक्रिया के बीच एक बीएलओ के साथ बदतमीजी, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप सामने आया है। चुनाव आयोग ने कोलकाता के लक्जरी आवासन के एक निवासी (मतदाता) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पता चला है कि निशांत अहमद कोलकाता के एक लक्जरी आवासन में रहता है। हालांकि, वह और उसका परिवार अभी कहीं और रहता हैं। इस वजह से, कोलकाता का पता अभी खाली है। हालांकि, वे कोलकाता के मतदाता हैं। जाहिर है, बीएलओ फॉर्म देने गया था। आरोप है कि निशांत ने बीएलओ को गलत भाषा में गाली दी। पूरा मामला जानने के बाद चुनाव आयोग ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। सुनने में आया है कि उस व्यक्ति के पास कोलकाता के अलावा कई पतों पर वोटर कार्ड हैं।

अज्ञात नंबर से जान से मारने की धमकी, नोआपाड़ा के तृणमूल विधायक ने पुलिस से लगाई गुहार

कोलकाता : नोआपाड़ा के तृणमूल कांग्रेस विधायक सनत दे को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से जान से मारने की धमकी भरा मैसेज मिला है। मैसेज में अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्हें गाली-गलौज भी किया गया। धमकी मिलते ही विधायक घबरा गए और तुरंत पुलिस के पास पहुंचे। यह घटना बुधवार सुबह की है। विधायक के फोन पर अज्ञात नंबर से मैसेज आया जिसमें साफ-साफ जान से मारने की धमकी दी गई थी। डर के मारे सनत दे ने फौरन नोआपाड़ा थाने से संपर्क किया। पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उस अज्ञात नंबर का भी जिक्र किया गया है, जिससे धमकी भरा मैसेज आया था। विधायक ने सिर्फ पुलिस ही नहीं, विधानसभा सचिवालय में भी इस घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। सनत दे ने कहा, पुलिस पर मुझे पूरा भरोसा है। जल्द ही इस मामले का पता लगा लिया जाएगा। नोआपाड़ा थाने के अधिकारियों ने बताया कि शिकायत मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है और जल्द से जल्द दोषी तक पहुंचा जाएगा।

नैहाटी में पड़ोसी किशोर पर जानलेवा हमला

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले में नैहाटी के शिबदासपुर थाना क्षेत्र के बोरा कालीतला इलाके में एक किशोर पर धारदार हथियार से वार करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात आठवीं कक्षा के छात्र देबांश सरकार पर हमला करने का आरोप पड़ोसी युवक शुभ मजूमदार पर लगा। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि अचानक देबांश पर झपटे आरोपित ने धारदार हथियार से वार करना शुरू कर दिया। देबांश की चीख सुनकर जब स्थानीय लोग दौड़े आए, तब तक शुभ खून से लथपथ किशोर को छोड़कर भाग चुका था। घायल देबांश को नैहाटी स्टेट जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही शिबदासपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित की तलाश शुरू की। कुछ समय बाद उसे इलाके के ही एक बगीचे से गिरफ्तार कर लिया गया।

रेसकोर्स के सामने भीषण सड़क हादसा, चार घायल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के रेसकोर्स के सामने बुधवार के तड़के एक भीषण सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए। पता चला है कि एसएसकेएम अस्पताल की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार फरारी स्पोर्ट्स कार ने रेसकोर्स के सामने सड़क पार कर रही दो महिला सफाई कर्मियों को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद, कार सड़क किनारे लगे लैम्पपोस्ट से टकराई और करीब 700 से 800 मीटर तक घिसटने के बाद पलट गई। हादसे में कार चालक और उसमें सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों, दो सफाई कर्मियों और कार के दोनों सवारों को एसएसकेएम अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। सूत्रों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त फरारी में पिता और पुत्र सवार थे। हालांकि, अभी तक दोनों की पहचान नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि गाड़ी की रफ्तार अत्यधिक थी, जिसके कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और हादसा हो गया। पुलिस ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फेरारी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और पुलिस अब यह जानने के लिए आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच कर रही है कि हादसा किस परिस्थिति में हुआ।

बैंक घोटाले में ईडी ने छह आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए कोर्ट में शिकायत दाखिल की

कोलकाता, समाज्ञा

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में बड़े बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के एक गंभीर मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए 8 दिसंबर को प्रसेनजीत दास, पीके एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर चंदन सरकार, लल्टू साहा और तीन अन्य के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत विशेष पीएमएलए कोर्ट, कोलकाता में अभियोजन शिकायत दाखिल की है। यह मामला स्व. पूर्णेंदु दास द्वारा अपनी फर्म मेसर्स केपीएस एंटरप्राइज के जरिए किए गए करोड़ों रुपए के बैंक घोटाले से संबंधित है, जिसमें उनके बेटे प्रसेनजीत दास और अन्य सहयोगियों की मिलीभगत सामने आई है। ईडी ने इस घोटाले की जांच सीबीआई और बैंक सिक्योरिटी एंड फ्रॉड सेल (बीएसएंडएफसी), कोलकाता द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। जांच से पता चला कि स्व. पूर्णेंदु दास ने बांग्लादेश को प्याज निर्यात करने के नाम पर तत्कालीन इलाहाबाद बैंक (अब इंडियन बैंक) से 8 करोड़ रुपए की पैकिंग क्रेडिट और 25 करोड़ रुपए की फॉरेन बिल नेगोशिएशन सुविधा हासिल की। हालांकि, उन्होंने निर्यात से जुड़े जाली दस्तावेज और फर्जी बिल जमा कराए, जिससे बैंक को कुल 26.72 करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि बांग्लादेश के विभिन्न बैंकों में खोले गए लेटर ऑफ क्रेडिट के तहत जारी किए गए कुल 25 करोड़ रुपए के बिलों को इलाहाबाद बैंक ने नेगोशिएट किया था, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद उनके भुगतान नहीं किए गए। जब बैंक ने भुगतान की मांग की तो बांग्लादेशी बैंकों ने यह कहते हुए भुगतान से इनकार कर दिया कि उन्हें कोई निर्यात माल प्राप्त ही नहीं हुआ। ईडी ने पाया कि लोन की पूरी राशि स्व. पूर्णेंदु दास ने अपने बेटे की फर्म मेसर्स पीके एंटरप्राइज और अपने निजी बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी थी। इसके अलावा, कथित सप्लायरों के नाम पर 70 बेयरर चेक जारी किए और अपनी कंपनी के कर्मचारियों की मदद से इन चेकों के जरिए बड़ी मात्रा में नकदी निकाली गई। इस तरह फर्जी बिलिंग और नगद निकासी के माध्यम से करोड़ों रुपए का गबन किया गया। इस मामले में इससे पहले ईडी ने 34.42 लाख रुपए मूल्य की पांच अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया था। एजेंसी का कहना है कि धन शोधन और बैंक धोखाधड़ी का यह पूरा नेटवर्क बेहद सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया, जिसमें कई व्यक्तियों और फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल किया गया।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. एमसी-वीहिकल-हायर-एफआरटी-एचडब्ल्यूएच-25, दिनांक 09.12.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ईएनएचएम एनं एफआरटी.), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:** मालगाड़ियों के ब्रेकडाउन तथा दुर्घटना स्थल के निरीक्षण हेतु डीएमई (एफआरटी.)/एचडब्ल्यूएच, पूर्व रेलवे के अधीन एक नॉन एसी 4 पहिया वाहन (एसयूवी)। **निविदा मूल्य :** रु. 11,40,613.57; **जमा की जाने वाली बयाना राशिः** रु. 22,820; **संविदा की अवधि :** कार्य शुरू होने की तारीख से 2 वर्ष। **ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरणः** जीईएम पोर्टल। **बोली बंद होने की तारीख एवं समयः** 29.12.2025 को 14.00 बजे तक। (HWH-449/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं वांछित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं : सीनि. डीईएन/1/हावड़ा। एनआईटी सं.: 201_2025-26, दिनांक 09.12.2025, **कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल के अधिकार क्षेत्र में वेल्डिंग हिस्से की आपूर्ति एवं देखभाल के साथ अल्यूमिनो थर्मिट एसकेवी प्रक्रिया द्वारा रेल ज्वाइंटों की वेल्डिंग। **अनुमानित लागत :** रु. 4,56,44,500; **बयाना राशि :** रु. 3,78,200। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 24.12.2025 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-450/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: एमसी-54-अमेनिटी-एचडब्ल्यूएच-24, दिनांक 09.12.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सीएचजी. एवं टीएस), पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नामः** प्राइमरी, सेकेंडरी एवं राउंड ट्रिप रखरखाव के दौरान हावड़ा मंडल के सॉर्टिंग यार्ड कोचिंग डिपो की कोचों में 2 वर्षों के लिए यात्री सुविधाओं का रखरखाव एवं फिटमेंट। **निविदा मूल्य :** रु. 5,30,78,020.85; **जमा की जाने वाली बयाना राशि :** रु. 4,15,400; **संविदा की अवधि :** कार्य शुरू होने की तारीख से 24 महीने। **ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरण :** www.ireps.gov.in; **बोली बंद होने की तारीख एवं समयः** 31.12.2025 को 14.00 बजे तक। (HWH-447/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत विभिन्न स्टेशनों में 3 वर्षों की अवधि के लिए पार्किंग लॉटों के संचालन हेतु संविदा सौंपने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। अधिक विवरण एवं ई-नीलामी में भागीदारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए ई-नीलामी पट्टा प्रारूप देखें। **नीलामी सूचीपत्र सं.:** पीएआरके-एचडब्ल्यूएच-डीईसी-3, **क्रमांक, लॉट सं. एवं स्टेशन का नाम** निम्नलिखित हैं: (1) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-जेआरएई-टीडब्ल्यू-294-25-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); जौग्राम। (2) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-पीडीए-टीडब्ल्यू-47-22-2 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); पांडुआ। (3) पार्किंग-एचडब्ल्यूएच-एजेड-टीडब्ल्यू-25-25-1 (पार्किंग-दो पहिया वाहन); आजिमगंज। **नीलामी शुरू होने की तारीख/समयः** 22.12.2025 को 14.00 बजे। (HWH-444/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सियालदह-कल्याणी एसी ईएमयू लोकल की संशोधित समय-सूची

संचालन में लचीलापन लाने के साथ ट्रेन सेवा को निर्धारित समय पर चलाकर यात्रियों को ज्यादा संतुष्टि प्रदान करने हेतु, **31347 सियालदह-कल्याणी एसी ईएमयू लोकल** ट्रेन की समय-सूची में **दिनांक 11.12.2025 से 31.12.2025 तक** निम्नानुसार अस्थाई तौर रूप से **संशोधित** किया जाएगा:

31347 सियालदह-कल्याणी एसी ईएमयू लोकल की संशोधित समय-सूची:
• **सियालदह** - प्रस्थान 15.10 बजे, • **बिधाननगर रोड** - आगमन 15.17½ बजे/प्रस्थान 15.18½ बजे, • **दमदम जंक्शन** - आगमन 15.22 बजे/प्रस्थान 15.23 बजे, • **बेलघरिया** - आगमन 15.28 बजे/प्रस्थान 15.29 बजे, • **सोदपुर** - आगमन 15.34 बजे/प्रस्थान 15.35 बजे, • **खड़दह** - आगमन 15.39 बजे/प्रस्थान 15.40 बजे, • **बैरकपुर** - आगमन 15.46 बजे/प्रस्थान 15.47 बजे, • **श्यामनगर** - आगमन 15.55 बजे/प्रस्थान 15.56 बजे, • **नैहाटी** - आगमन 16.11 बजे/प्रस्थान 16.12 बजे, • **कांचरापाड़ा** - आगमन 16.19½ बजे/प्रस्थान 16.20½ बजे, • **कल्याणी** - आगमन. 16.32 बजे।

मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

संयोजनी

हावड़ा मंडल के बर्द्धमान-खाना खंड में खाना स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते ट्रेनों के नियंत्रण के संबंध में पूर्व प्रकाशित उपर्युक्त शीर्षक वाले विज्ञापन के संदर्भ में, यह बताया जाता है कि उक्त नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के विस्तार के कारण निम्नलिखित ट्रेनों को भी निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा: **● अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन: 13017** हावड़ा-आजिमगंज गणदेवता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11और 12.12.2025) और **13027** हावड़ा-आजिमगंज कवि गुरु एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) बैंडेल-कटवा-आजिमगंज होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, खगराघाट रोड और लालबाग कोर्ट रोड स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **13153** सियालदह-मालदा टाउन गौड़ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13053** हावड़ा-राधिकापुर कुलिक एक्सप्रेस(यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13161** कोलकाता-बालुरघाट तेभागा एक्सप्रेस(यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **12345** हावड़ा- गुवाहाटी सरायघाट एक्सप्रेस(यात्रा शुरू की तारीख 11 और12.12.2025), **13147** सियालदह-बामनहाट उत्तरबंग एक्सप्रेस(यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **12343** सियालदह-हल्दीबाड़ी दार्जिलिंग मेल (यात्रा शुरू की तारीख 11 और12.12.2025), **13173** सियालदह-सबरूम कंचनजंघा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और12.12.2025), **12377** सियालदह-न्यू अलीपुरदुआर पदातिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11और 12.12.2025), **12363** कोलकाता-हल्दीबाड़ी इंटरसिटी एक्सप्रेस(यात्रा शुरू की तारीख 11.12.2025) और **13159** कोलकाता-जोगबनी एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 12.12.2025) बैंडेल-कटवा-आजिमगंज होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा बैंडेल, नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, खगराघाट रोड, लालबाग कोर्ट रोड, आजिमगंज और जंगीपुर रोड स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **13015** हावड़ा-जमालपुर कवि गुरु एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) और **13187** सियालदह-रामपुरहाट मां तारा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) बैंडेल-कटवा-अहमदपुर होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा नबद्वीप धाम, कटवा और अहमदपुर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **12347** हावड़ा-रामपुरहाट शहीद एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11और 12.12.2025) बैंडेल-कटवा-अहमदपुर होकर परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा बैंडेल, नबद्वीप धाम, कटवा और अहमदपुर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। **22321** हावड़ा-सिउड़ी हूल एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) बैंडेल-कटवा-अहमदपुर होकर परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा नबद्वीप धाम, कटवा, अहमदपुर और सांईथिया स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। **● डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन: 13018** आजिमगंज-हावड़ा गणदेवता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13028** आजिमगंज-हावड़ा कवि गुरु एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) आजिमगंज-कटवा-बैंडेल होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा लालबाग कोर्ट रोड, खगराघाट रोड, सालार, कटवा एवं नबद्वीप धाम स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **13154** मालदा टाउन-सियालदह गौड़ एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13054** राधिकापुर-हावड़ा कुलिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13162** बालुरघाट-कोलकाता तेभागा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11और 12.12.2025), **12346** गुवाहाटी-हावड़ा सरायघाट एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13148** बामनहाट-सियालदह उत्तरबंग एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11और 12.12.2025), **12344** हल्दीबाड़ी-सियालदह दार्जिलिंग मेल (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13174** सबरूम-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11.12.2025), **13176** सिलचर-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 12.12.2025), **12378** न्यू अलीपुरदु आर-सियालदह पदातिक एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025), **13160** जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11.12.2025) आजिमगंज-कटवा-बैंडेल होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा जंगीपुर रोड, आजिमगंज, लालबाग कोर्ट रोड, खगराघाट रोड, सालार, कटवा, नबद्वीप धाम एवं बैंडेल स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **13016** जमालपुर-हावड़ा कवि गुरु एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) और **13188** रामपुरहाट-सियालदह मां तारा एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) अहमदपुर-कटवा-बैंडेल होकर परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा अहमदपुर, कटवा और नबद्वीप धाम स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेंगी। **12348** रामपुरहाट-हावड़ा शहीद एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) अहमदपुर-कटवा-बैंडेल होकर परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा अहमदपुर, कटवा, नबद्वीप धाम और बैंडेल स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। **22322** सिउड़ी-हावड़ा हूल एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) अहमदपुर-कटवा-बैंडेल होकर परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा सांईथिया, अहमदपुर, कटवा और नबद्वीप धाम स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। **● अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेन की रद्दगी: 13179** सियालदह-सिउड़ी एमईएमयू एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) रद्द रहेगी। **● डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेन की रद्दगी: 13180** सिउड़ी-सियालदह एमईएमयू एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 12 और 13.12.2025) रद्द रहेगी। **● डाउन एमईएमयू ट्रेनों की रद्दगी (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025): आसनसोल-बर्द्धमान:** 63506, 63508, 63516, 63518, 63522, 63524। **अंडाल-बर्द्धमान:** 63550। **आसनसोल-अंडाल:** 63552। **गोड्डा-सियालदह:** 63142। **रामपुरहाट-बर्द्धमान:** 63012। **रामपुरहाट-आजिमगंज:** 63022। **● अप एमईएमयू ट्रेनों का रद्दगी (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025): बर्द्धमान-आसनसोल:** 63505, 63507, 63515, 63517, 63521, 63523, 63549। **सियालदह-गोड्डा:** 63141। **बर्द्धमान-रामपुरहाट:** 63011। **आजिमगंज- रामपुरहाट:** 63021। **● ट्रेनों की संक्षिप्त यात्रा समाप्त और संक्षिप्त यात्रा शुरू: 63509** बर्द्धमान-झाझा एमईएमयू (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) और **63519** बर्द्धमान-बोकारो स्टील सिटी एमईएमयू (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) आसनसोल से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेंगी। **63510** झाझा-बर्द्धमान एमईएमयू (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) और **63520** बोकारो स्टील सिटी-बर्द्धमान एमईएमयू (यात्रा शुरू की तारीख 11, 12 और13.12.2025) आसनसोल में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेंगी। **विशेष द्रष्टव्य: 13427/13428** हावड़ा-साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस (यात्रा शुरू की तारीख 11 और 12.12.2025) बर्द्धमान और रामपुरहाट के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेगी। **द्रष्टव्य:** ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलम्ब से चलने वाली ट्रेनें और बाद में नई शुरू की गई कोई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, तो उनका मार्ग में उचित रूप से नियंत्रण/मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों पर सार्वजनिक घोषणा प्रणाली का अनुसरण करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

उच्च माध्यमिक के चौथे सेमेस्टर में बड़ा बदलाव : न लूज शीट मिलेगी, न लिखने के बाद जगह छोड़ने की छूट!

पर्यवेक्षक की अंतिम पंक्ति पर दस्तखत अनिवार्य, नकल व करने वालों की पूरी परीक्षा रद्द

कोलकाता : इस बार बारहवीं बोर्ड (उच्च माध्यमिक) के चौथे सेमेस्टर यानी अंतिम परीक्षा में छात्रों को कोई अतिरिक्त पन्ना या लूज शीट नहीं दी जाएगी। उत्तर पुस्तिका में जहाँ छात्र लिखना खत्म करेंगे, ठीक उस आखिरी लाइन के नीचे पर्यवेक्षक (इनविजिलेटर) का दस्तखत अनिवार्य होगा। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद ने इसे एंड ऑफ लाइन नियम नाम दिया है। इसका मकसद किसी भी तरह की छेड़छाड़ या बाद में पन्ना जोड़ने की आशंका को पूरी तरह खत्म करना है।

परिषद अध्यक्ष चिरंजीव भट्टाचार्य ने कहा, कई बार कानूनी अड़चनों के कारण परीक्षा परिणाम अटक जाता है। इस बार से यह नया नियम सख्ती से लागू होगा। पर्यवेक्षक का दस्तखत मतलब उसके बाद एक भी शब्द नहीं लिखा हुआ मान्य नहीं होगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रश्नपत्र तैयार करने वालों को पहले ही निर्देश दे दिया गया है कि ज्यादातर प्रश्न 2 या 3 नंबर के हों, बहुत कम 4-5 नंबर के। इसलिए परिषद द्वारा दी गई उत्तर पुस्तिका में जगह पूरी तरह पर्याप्त रहेगी।

❑ नकल और हिंसा पर सख्ती

अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि कोई छात्र छह विषयों में से किसी भी एक परीक्षा के दौरान टुकली, मोबाइल या अन्य तरीके से नकल करते पकड़ा गया और उसने पर्यवेक्षकों के साथ दुर्व्यवहार या तोड़फोड़ की, तो उस छात्र की उस साल की पूरी उच्च माध्यमिक परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। केंद्र में अकेले या समूह में तोड़फोड़ करने पर संबंधित स्कूल पर सीधे जुर्माना लगेगा और जरूरत पड़ी तो स्कूल का एनरोलमेंट भी रद्द किया जा सकता है।

❑ प्रश्नपत्र 10 मिनट पहले मिलेगा

छात्रों की सुविधा के लिए एक और बड़ा बदलाव यह भी किया गया है कि चौथे व तीसरे सेमेस्टर (सप्लीमेंट्री) की परीक्षा में प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट निर्धारित समय से पूरे 10 मिनट पहले बाँट दी जाएगी। हालांकि परीक्षा की कुल समय-सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा। पुराने छात्रों को पहले की तरह 3 घंटे 15 मिनट ही मिलेंगे।

परिषद का कहना है कि इन सख्त कदमों से परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और विवाद-मुक्त होगी।

मुर्शिदाबाद में दो अलग-अलग स्थैनों से 55 सॉकेट बम बरामद

मुर्शिदाबाद : जिले के रानीतला और डोमेकल थाना अंतर्गत बुधवार को चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में कुल 55 सॉकेट बम बरामद किए गए। मुर्शिदाबाद के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार सनी राज के अनुसार , रानीतला थाना क्षेत्र के बालीग्राम ग्राम पंचायत के अंतर्गत बरियानगर मोड़ के पास एक तालाब में 30 छोड़े गए सॉकेट बम सबसे पहले पाए गए। सूचना मिलने के बाद, रानीतला थाने की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और इलाके को सुरक्षित कर लिया। बम निरोधक दस्ते को सूचित किया गया और विस्फोटकों को सुरक्षित रूप से नष्ट करने की व्यवस्था की गई। घटनास्थल पर पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

एक अन्य घटना में, डोमकल पुलिस ने मंगलवार की देर रात एक सूत्र द्वारा दी गई सूचना के आधार पर की गई छापेमारी के दौरान 25 सॉकेट बम बरामद किए। यह छापेमारी मेहेदीपारा-बरतानबाद सड़क के किनारे स्थित मेहेदीपारा बांस के बगीचे में की गई, जहां डोमकल के वार्ड नंबर 6 में झाड़ियों में छिपाकर रखे गए लगभग 25 सॉकेट बमों से भरा एक पुराना नायलॉन बैग बरामद किया गया। घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और आवश्यक कार्रवाई के लिए बम पहचान एवं निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) को सूचित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में आगे की जांच जारी है।

दिनहाटा में कूड़े के ढेर में आग लगते ही जोरदार धमाका

कूचबिहार : जिले के दिनहाटा स्थित चौराहाट बाजार में बुधवार की सुबह अचानक एक जोरदार धमाके से हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि बाजार के कपड़ा पट्टी इलाके में जमा कूड़े के ढेर में व्यापारियों ने आग लगाई थी। तभी, अचानक जोरदार विस्फोट जैसा तेज आवाज़ हुआ और पूरा इलाका कांप उठा। जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय व्यवसायियों ने बताया कि अचानक विस्फोट जैसी आवाज सुनकर हम सभी घबरा गए। बाद में पता चला कि यह धमाका कूड़े के ढेर में लगी आग से हुई है। सौभाग्य से इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। सूचना मिलते ही दिनहाटा थाने के टाउन अशरफ अली और अन्य पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस का अनुमान है कि किसी ने पटाखों को कूड़े में फेंक दिया था, जो आग की वजह से फट गए। फिर भी घटना की जांच की जा रही है।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने फैशन को फास्ट लेन में दौड़ाया

कोलकाता, समाज्ञा : ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर का जयपुर संस्करण हाई-फैशन और मोटरस्पोर्ट के रोमांचक मेल का मंच बना, जहां गति, सटीकता और ग्लैमर के समागम ने फैशन के अगले चरण की झलक पेश की। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस शोकेस ने रनवे को एक हाई-स्पीड मोटरस्पोर्ट एरीना में बदल दिया। डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा और अभिषेक पाटनी ने मोटरकोर सौंदर्यशास्त्र को फैशन में नए अंदाज में ढाला। फिनाले में हरनाज संधू ने शोस्टॉपर के रूप में रनवे पर जलवा बिखेरा, जबकि रैपर रफ्तार की ऊर्जावान प्रस्तुति ने शो को चरम पर पहुंचाया। तीन चरणों वाले रनवे-'द स्टार्ट लाइन', 'द पिट लेन' और 'द ग्लैम नाइट'-ने रेसिंग सिल्हूट्स से लेकर ग्लैमरस हाई-ऑक्टेन लुक्स तक फैशन की नई दिशा को परिभाषित किया।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने 'ऑपरेशन अमानत' के तहत यात्रियों का छूटा सामान बरामद कर लौटाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने अपने प्रभावी अभियान 'ऑपरेशन अमानत' के तहत यात्रियों द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर छोड़े गए कीमती सामान को बरामद कर उन्हें उनके मालिकों को सुरक्षित रूप से लौटा दिया। 08 दिसंबर 2025 को हावड़ा, सियालदह और आसनसोल डिविजनों की आरपीएफ टीमों ने आईफोन, स्मार्टवॉच, मोबाइल फोन, लैपटॉप, कैमरा, पहचान पत्र, मूल प्रमाणपत्र, एटीएम कार्ड, नकद 18,200 रुपये, कपड़े, जूते, दवाइयां तथा अन्य व्यक्तिगत वस्तुओं सहित लगभग 4,24,180 रुपये मूल्य का सामान बरामद किया। ये वस्तुएं हावड़ा, वर्दवान, नवद्वीप, अरामबाग, कोलकाता, राणाघाट, बनगांव, दुमका और दुर्गापुर स्टेशनों से मिलीं। सभी सामान सत्यापन और आवश्यक औपचारिकताओं के बाद यात्रियों को वापस सौंप दिया गया। सामान पाने वाले यात्रियों ने समय पर सहायता के लिए पूर्व रेलवे का आभार व्यक्त किया।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के सोदपुर गौधाम में हुआ नवनिर्मित गोसदन का शुभ उद्घाटन

हर सनातनी का प्रथम कर्तव्य गौसेवा करना ही है : श्री गोविन्ददेव गिरी जी महाराज

कोलकाता : कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के सोदपुर गौधाम में एक नए नवनिर्मित गोसदन का शुभ उद्घाटन परमपूज्य स्वामी श्री गोविन्ददेव गिरी जी महाराज के करकमलों से सुसंपन्न हुआ। इस गौसदन का निर्माण गौभक्त दंपति गोविंद शांता देवी सारडा ने अपनी 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गौमाता के प्रति अपने गौसेवा भाव को समर्पित करते हुए करवाया है। इस अवसर पर महाराज जी ने अपने आशीर्वचन में सभी उपस्थित गौभक्तों को गौसेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि एक सनातनी कहलाने वाले मनुष्य का प्रथम कर्तव्य अपनी सामर्थ अनुसार गौसेवा करना ही है। उन्होंने स्वयं गौमाता का पूजन किया एवं संदेश दिया कि गौमाता एक चलता फिरता मंदिर है एवं इनकी पूजा से समस्त देवों की पूजा का सुफल बड़ी आसानी से मिल जाता है। इस मांगलिक अवसर पर गौभक्त सारडा दंपति के अलावा सोसाइटी के ट्रस्टी सजन कुमार बंसल, अध्यक्ष रमेश सरावगी, महामंत्री पवन कुमार टिबड़ेवाला, सोदपुर शाखा सचिव गौरीशंकर कालुका, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चमड़िया, सोदपुर सह सचिव अनुराग गुप्ता, हॉस्पिटल सचिव अजीत सरावगी, सह-सचिव राजेश सरावगी व सह-सचिव महावीर प्रसाद बजाज, डॉ. अरुण उपाध्याय, कमल गुप्ता, श्रीकुमार बगड़िया, श्याम बांगड़, सुनील खेतान, प्रदीप जयदेवका, दिनेश गोयल, अंकित गुप्ता, दीपक अग्रवाल, संजय रावका, उमाशंकर चमड़िया एवं सारडा परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन महावीर प्रसाद रावत ने किया।

हावड़ा डिवीजन ने हावड़ा स्टेशन पर रेल वन ऐप के लिए प्रचार अभियान चलाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन के वाणिज्य विभाग ने बुधवार को हावड़ा स्टेशन पर रेल वन ऐप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष प्रचार अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में किया गया और इसे एसीएम/हावड़ा के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रचार अभियान के दौरान एसीएम/हावड़ा एवं वाणिज्य विभाग की टीम ने रेल वन ऐप का लाइव प्रदर्शन कर यात्रियों और रेल कर्मचारियों को इसके विभिन्न फीचर्स और सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रदर्शन में आरक्षित, अनारक्षित तथा प्लेटफॉर्म टिकटों की बुकिंग, टिकट रद्दीकरण एवं रिफंड जैसी प्रमुख सेवाओं के साथ-साथ रेल मदद, पीएनआर स्टेटस, रियल-टाइम ट्रेन ट्रैकिंग, फूड ऑर्डरिंग सहित कई यात्री-हितैषी सुविधाओं को रेखांकित किया गया। यात्रियों और रेल कर्मचारियों ने इस जानकारीपूर्ण सत्र में उत्साहपूर्ण भागीदारी की और ऐप के सहज इंटरफेस एवं सर्विस इंटीग्रेशन की सराहना की। डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने वाला यह अभियान भारतीय रेलवे की सुगम, कुशल और तकनीक-संचालित सेवा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पूर्व रेलवे के आईजी-कम-पीसीएससी ने किया बहरमपुर कोर्ट स्टेशन का निरीक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के इंस्पेक्टर जनरल-कम-प्रिंसिपल चीफ सिक्योरिटी कमिश्नर (आईजी-कम-पी-सीएससी) अमियानंदन सिन्हा ने मंगलवार को बहरमपुर कोर्ट स्टेशन एवं आरपीएफ पोस्ट/बहरमपुर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में मौजूद सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी निगरानी तंत्र और हाल ही में किए गए संवर्द्धनों की समीक्षा की। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए आरपीएफ की मौजूदा रणनीतियों और आगामी सुरक्षा परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। श्री सिन्हा ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा पूर्व रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से आरपीएफ लगातार तकनीक-आधारित सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि फेस रिकग्निशन सिस्टम और एक्स-रे बैगेज स्कैनर जैसी तकनीकें शीघ्र ही प्रमुख स्टेशनों पर स्थापित की जाएंगी, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और निगरानी और अधिक प्रभावी हो सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि बहरमपुर कोर्ट स्टेशन पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था संतोषजनक रूप से कार्य कर रही है तथा मैनुअल निगरानी के साथ मिलकर सुरक्षा तंत्र को और अधिक सशक्त बना रही है। हाल के प्रदर्शनों को ध्यान में रखते हुए तैनात अतिरिक्त आरपीएफ बल और सुदृढ़ खुफिया नेटवर्क की कार्यकुशलता की भी उन्होंने समीक्षा की।

मोटापे से जुड़ी हिप की दुर्लभ बीमारी से 12 साल के बच्चे की बचाई गई जान

कोलकाता : एक बड़े मेडिकल बदलाव में, 86 ज़स वज़न वाले एक 12 साल के लड़के की स्लिप्ड कैपिटल फेमोरल एपिफिसिस (एससीएफई) के लिए हाई-रिस्क सर्जरी के बाद शानदार रिकवरी हुई है। यह हिप की एक गंभीर बीमारी है जो बहुत मोटे बच्चों में ज़्यादा देखी जाती है। जिसमें फीमर का बॉल अपनी जगह से खिसक जाता है, यह आमतौर पर 8 से 15 साल के बच्चों को होता है और यह बचपन के मोटापे से बहुत ज़्यादा जुड़ा होता है।

मशहूर पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सौम्या पाईक ने हैंडल किया, जो कॉम्प्लेक्स ऑर्थोपेडिक सर्जरी (पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सर्जन) की स्पेशलिस्ट हैं, यह दिखाता है कि यह कंडीशन कितनी खतरनाक हो सकती है। बच्चा महीनों से हिप पेन से जूझ रहा था, और आखिर में उसे खड़ा होना या चलना भी मुश्किल हो गया था। डिटेल में जांच करने पर पता चला कि उसके हिप जॉइंट में एक गंभीर स्लिप है - यह ग्रोथ के दौरान उसके शरीर के वज़न के बहुत ज़्यादा दबाव की वजह से हुआ था। इस ज़रूरत को समझते हुए, डॉ. पाईक ने डिस्प्लेसमेंट को ठीक करने और जॉइंट को स्टेबल करने के लिए एक कॉम्प्लेक्स सर्जिकल इंटरवेंशन किया। स्लिप की गंभीरता और बच्चे के वज़न की वजह से इस प्रोसीजर को हाई रिस्क माना गया, लेकिन यह सक्सेसफुली पूरा हो गया।

हावड़ा डिवीजन ने आरपीएफ के लिए स्वदेशी बैलिस्टिक शील्ड पेश की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने रेलवे सुरक्षा बल की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से स्वदेशी विकसित उन्नत बैलिस्टिक शील्ड का अनावरण किया है। यह शील्ड बुलेटप्रूफ सामरिक सुरक्षा कवच है, जो आग्नेयास्त्रों की गोलियों, शरापनेल और अन्य बैलिस्टिक खतरों से सुरक्षा प्रदान करती है। इसका उपयोग सामान्यतः उच्च जोखिम वाली परिस्थितियों, भीड़ नियंत्रण और संवेदनशील अभियानों में किया जाता है। उच्च-ग्रेड स्टेनलेस स्टील से निर्मित यह शील्ड छोटे कैलिबर की गोलियों को भी सहन करने में सक्षम है। इसके साथ ही यह भीड़-भाड़ वाले रेलवे क्षेत्रों में होने वाली पत्थरबाजी से आरपीएफ कर्मियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करती है। 7 फीट ऊंची इस शील्ड में 17.4 मिमी मोटा पारदर्शी मजबूत कांच लगाया गया है, जो व्यापक दृश्यता और बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता सुनिश्चित करता है।

एर्गोनॉमिक डिजाइन के कारण इसे दो आरपीएफ कर्मी एक साथ संचालित कर सकते हैं। 360-डिग्री घूमने वाले पहिए इसे किसी भी दिशा में तेजी से स्थानांतरित करने में सक्षम बनाते हैं, जिससे आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। इसकी मजबूती और गतिशीलता इसे स्टेशन के संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती के लिए उपयुक्त बनाती है। इस उपलब्धि के साथ हावड़ा डिवीजन ने सुरक्षित और आधुनिक सुरक्षा उपकरण विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

भारत-बांग्लादेश मछली विवाद: समुद्री सीमा उल्लंघन और कूटनीतिक प्रयासों की कहानी

फ्रेजरगंज मछली बंदरगाह पर बांग्लादेश से भारत लौटे मछुआरों को सम्मानित करते सुंदरबन विकास मंत्री बंकिम हाजरा, जीबीडीए के चेयरमैन सीमांत कुमार माली, फ्रेजरगंज कोस्ट गार्ड के अधिकारी, काकद्वीप के एसडीओ प्रीतम साहा सहित प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी।

नई दिल्ली/कोलकाता

भारत और बांग्लादेश के बीच बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। यह विवाद मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के अनजाने में पार होने से जुड़ा है, जहां मछुआरे अक्सर एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं। हाल के वर्षों में यह मुद्दा कूटनीतिक तनाव का कारण बना है, लेकिन दोनों देश मानवीय आधार पर मछुआरों की रिहाई के लिए सहयोग कर रहे हैं। 9 दिसंबर 2025 को हुई नवीनतम अदला-बदली में 47 भारतीय और 38 बांग्लादेशी मछुआरों को रिहा किया गया, जो इसकी मिसाल है।

विवाद की पृष्ठभूमि

भारत और बांग्लादेश के बीच 1974 और 2014 में भूमि और समुद्री सीमा विवाद सुलझे, लेकिन व्यावहारिक चुनौतियां बनी रहीं। बंगाल की खाड़ी में समुद्री धाराओं, मौसम और पुरानी नौकाओं के कारण मछुआरे अक्सर आईएमबीएल पार कर जाते हैं। बांग्लादेश के कोस्ट गार्ड और भारत के तटरक्षक बल (आईसीजी) इन उल्लंघनों पर कार्रवाई करते हैं, जिससे मछुआरों की गिरफ्तारी होती है। 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद संबंधों में खटास आई, जिसका असर मछली निर्यात पर भी पड़ा।

■ हिल्सा मछली का विवाद: हिल्सा (इलिश) बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है, जो पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान अत्यधिक लोकप्रिय है। 2024 में अंतरिम सरकार ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को हिल्सा निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसे कूटनीतिक तनाव से जोड़ा गया। 17 इससे भारतीय बाजारों में कीमतें बढ़ गईं। हालांकि, सितंबर 2025 में 1,200 टन हिल्सा निर्यात की अनुमति मिली, जो पिछले वर्षों से कम थी। 24 यह 'फिश डिप्लोमेसी' को झटका माना गया, जहां हसीना सरकार में ममता बनर्जी को हिल्सा भेजा जाता था।

■ गिरफ्तारियां और रिहाई: 2025 में कई घटनाएं दर्ज हुईं। जुलाई में बांग्लादेश ने 34 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया, 19 जबकि नवंबर में आईसीजी ने 28 बांग्लादेशी मछुआरों को पकड़ा। 15 आंध्र प्रदेश के 8 मछुआरों की रिहाई के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है। 11

हालिया विकास: मानवीय अदला-बदली

9 दिसंबर 2025 को बंगाल की खाड़ी में कोस्ट गार्ड्स की संयुक्त कार्रवाई में 47 भारतीय मछुआरों को बांग्लादेश ने रिहा किया, जबकि भारत ने 38 बांग्लादेशी मछुआरों को। 0 1 तीन भारतीय और एक बांग्लादेशी नौका भी लौटाई गई। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इसे 'मानवीय और आजीविका संबंधी चिंताओं' का परिणाम बताया। जनवरी 2025 में भी 95 भारतीय और 90 बांग्लादेशी मछुआरों की रिहाई हुई थी। 6

यह अदला-बदली भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार का संकेत है, खासकर अंतरिम सरकार के नेतृत्व में। 16 हालांकि, शेख हसीना के भारत में शरण लेने से उत्पन्न तनाव बरकरार है।

दोनों पक्षों के प्रयास

■ भारत: एमईए और उच्चायोग ढाका में कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं। कांसुलर एक्सेस सुनिश्चित किया जाता है। 19 आईसीजी नियमित गश्त बढ़ा रहा है।

■ बांग्लादेश: कोस्ट गार्ड ने फरवरी 2025 में हिल्सा पकड़ने पर दो महीने का प्रतिबंध लगाया, लेकिन निर्यात सीमित रखा। 29

निष्कर्ष

यह विवाद मछुआरों की आजीविका को प्रभावित करता है, लेकिन कूटनीतिक संवाद से समाधान संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि जीपीएस-युक्त नौकाओं और संयुक्त गश्त से समस्या कम हो सकती है। भारत-बांग्लादेश के बीच व्यापार और सांस्कृतिक बंधन मजबूत हैं, और मछली विवाद को सुलझाने से संबंध और गहरा सकते हैं।

अग्रसेन धाम का प्रतिष्ठित अग्ररत्न व अग्र गौरव सम्मान समारोह 13 को

कोलकाता : पूर्वी भारत के अग्रवाल समाज की प्रतिनिधि संस्था महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा प्रवर्तित अग्र रत्न एवं अग्र गौरव सम्मान-2025 समारोह का आयोजन शनिवार 13 दिसम्बर को कला मंदिर सभागार में प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए अग्रसेन धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि समारोह का आयोजन परमहंस स्वामी श्री निरंजनानन्द सरस्वती, स्वामी श्री गिरिशानन्द सरस्वती, परमहंस स्वामी श्री मुक्तानन्दपुरी एवं स्वामी श्री संविदानन्द सरस्वती के पावन सान्निध्य में होगा।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का अग्र रत्न सम्मान स्व. बासुदेव टिकमानी को दिया जाएगा, जबकि अग्र गौरव सम्मान सर्वश्री मनोज अग्रवाल (आई.ए.एस), डा. महेश गोयनका, अशोक तोदी, मुरारीलाल लोहिया, गोपाल नरेड़ी, रमेश सोंथलिया एवं अनुज डीडवानिया को प्रदान किया जाएगा। समारोह में समाज की विशिष्ट हस्तियां उपस्थित रहेंगी। बताना प्रासंगिक है कि महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा बागनान में सेवा, शिक्षा, चिकित्सा एवं ज्ञान के एक दर्जन से अधिक प्रकल्पों का संचालन किया जाता है। आयोजन की सफलता हेतु अग्रसेन धाम के समस्त कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

एएससीआई ने शुरू किया 'एडवाइज' स्कूल प्रोग्राम

कोलकाता, समाज्ञा : एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने देशभर में बच्चों को विज्ञापनों की समझ विकसित कराने के उद्देश्य से 'एडवाइज' स्कूल प्रोग्राम की शुरुआत की है। तीसरी से आठवीं कक्षा के छात्रों को लक्षित यह कार्यक्रम 2026 के अंत तक 2,000 स्कूलों में संरचित कक्षा सत्रों के माध्यम से 10 लाख बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। यह पहल बच्चों में डिजिटल विज्ञापनों की पहचान, मूल्यांकन और उनके प्रभाव को समझने की क्षमता विकसित करने पर केंद्रित है। सत्रों से पहले और बाद में किए गए मूल्यांकन में विज्ञापन साक्षरता में उल्लेखनीय सुधार सामने आया है - कक्षा 3 से 5 में सही उत्तरों में 59% से 86% तक और कक्षा 6 से 8 में 57% से 95% तक वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड आयोजित करेगा 'मैक शी-राइड्स रैली'

महिलाओं के बदलते मोबिलिटी सफर को देगा सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) 11 दिसंबर को मैक शी-राइड्स रैली का आयोजन करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारत की तेजी से बदलती मोबिलिटी कहानी में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का उत्सव मनाना है। दोपहिया वाहनों को अपनाने वाली महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, और मैक ल्यूब्रिकेंट्स का मानना है कि जब वह राइडर को सशक्त करता है, तो वह भविष्य की मोबिलिटी को भी मजबूती देता है।

रैली बीपीसीएल कोको, राजा-रहाट से शुरू होगी, जहां 25 महिला राइडर्स एक प्रतीकात्मक यात्रा पर निकलेंगी। यह यात्रा दूरी या गति नहीं, बल्कि उद्देश्य, आत्मविश्वास और जुड़ाव की भावना को उजागर करेगी।

इस रैली के मुख्य उद्देश्य महिलाओं को भारत की सड़कों पर नई पहचान दिलाना, मैक की विश्वसनीयता और सुरक्षा के वादे को पुनः स्थापित करना तथा मैक सर्विस नेटवर्क, रिटेलर्स और मैकेनिक्स के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देना है। बीपीसीएल के निदेशक (विपणन) द्वारा ध्वज दिखाकर शुरू की जाने वाली यह रैली कंपनी के समावेशी और आधुनिक मोबिलिटी के दृष्टिकोण को भी दर्शाती है। रैली का समापन बीपीसीएल के क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता में होगा, जो यह संदेश देगा कि मैक केवल इंजनों को नहीं, बल्कि समुदायों, आकांक्षाओं और प्रगति की दिशा को भी शक्ति प्रदान करता है।

शांतिपुर में कचरा स्थल पर पड़े मिले कई मतदाता पहचान पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 12 के पास बुधवार को एक बोरा पड़ा मिला, जिसमें मतदाता फोटो पहचान पत्र भरे हुए थे। पता चला है कि स्थानीय निवासियों ने शांतिपुर में कचरा स्थल के पास पड़े पहचान पत्र वाले बोरे को देखा और पुलिस को सूचित किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने स्थल का निरीक्षण किया और बोरा सत्यापन के लिए थाने ले जाया गया। मामले की जांच जारी है। शांतिपुर पंचायत समिति के एक सदस्य और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेता ने आरोप लगाया कि अन्य जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जानबूझकर ये पहचान पत्र फेंके। भाजपा ने इन आरोपों से इनकार किया।

बेलदा में टोटो और लॉरी की भिड़ंत, तीन युवक घायल

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के बेलदा-एगरा राज्य सड़क पर मंगलवार की देर रात हुए सड़क हादसे में तीन युवक घायल हो गए, जिनमें एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना बेलदा थाना अंतर्गत रिलायंस पेट्रोल पंप के निकट हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार युवक टोटो से खाकुड़दा से बेलदा की ओर लौट रहे थे। अर्जुनी क्षेत्र में एक लॉरी अचानक मोड़ लेते ही टोटो चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और टोटो सीधे लॉरी से टकरा गया। टक्कर में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बेलदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां एक युवक की हालत नाजुक होने पर उसे तुरंत मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों की पहचान सूर्य राणा, सागर राणा और सोमनाथ राणा के रूप में हुई है, जो बेलदा के बड़ा मातकातपुर इलाके के निवासी हैं। सूचना मिलते ही बेलदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त टोटो को बरामद किया। दुर्घटना के चलते बेलदा-एगरा राज्य सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस हस्तक्षेप के बाद सामान्य कर दिया गया।

'अंतरिक्ष में बड़े और साहसिक सपना देख रहा भारत'

कोलकाता में छात्रों के बीच बोले शुभांशु शुक्ला

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री भारतीय वायुसेना में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को कहा कि भारत 41 साल के अंतराल के बाद मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में कदम रखते हुए अब बड़े और साहसिक सपने देख रहा है। इस दिन, कोलकाता स्थित भारतीय अंतरिक्ष भौतिकी केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष रहने के लिए एक बेहतरीन जगह है, जहां गहरी शांति और अद्भुत नजारा होता है जो समय के साथ और भी मनमोहक हो जाता है। शुक्ला ने कहा कि आप जितना ज्यादा समय वहां रहते हैं,

उतना ज्यादा आनंद मिलता है। हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरा मन वहां से वापस आने का नहीं था। शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष में मिला अनुभव प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई चीजों से बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा कि भारत के अंतरिक्ष विज्ञान का भविष्य बेहद उच्चवल है, क्योंकि देश अब बहुत बड़े और साहसिक सपनों को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने अमेरिका के सहयोग से किए गए अपने आईएसएस मिशन को भारत के विजन गगनयान को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

❑ 'गगनयान को 2027 में अंतरिक्ष भेजे जाने की उम्मीद'

शुक्ला ने कहा कि इस मिशन से जो अनुभव मिला है, वह राष्ट्रीय संपत्ति है और इसका इस्तेमाल आतंरिक विशेषज्ञ समितियों और डिजाइन टीमों द्वारा आगामी मिशनों को सही दिशा देने के लिए पहले से ही किया जा रहा है। शुक्ला ने कहा कि देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं में गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रमा पर मानव लैंडिंग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चंद्रमा पर उतरने का लक्ष्य वर्ष 2040 तक रखा गया है, लेकिन इस परियोजना पर पहले से ही काम चल रहा है और यह क्षेत्र अगले 10 से 20 वर्षों में बहुत तेजी से विकसित होगा। गगनयान को 2027 में अंतरिक्ष भेजे जाने की उम्मीद है।

❑ युवाओं में चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने की क्षमता

विद्यार्थियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हालांकि ये लक्ष्य चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन आप जैसे युवाओं के लिए यह पूरी तरह संभव हैं, जिसे आप हासिल कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रमों के विस्तार से रोजगार के विशाल अवसर पैदा होंगे।

जिला जल आपूर्ति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

❑ जल जीवन मिशन पर विशेष जोर

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिला अधिकारी खुरशिद अली कादरी की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय जल आपूर्ति समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीएम जिला परिषद् अनुज प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति तथा जल जीवन मिशन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला प्रशासन ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत अब तक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 6.5 लाख से अधिक घरों में नल जल कनेक्शन उपलब्ध करा दिए गए हैं। बैठक में यह भी खुलासा हुआ कि मिशन के अंतर्गत कई नई योजनाएं पूरी तरह चालू हो चुकी हैं, जबकि कई अन्य योजनाएं आंशिक रूप से शुरू की गई हैं, जिनसे 2.37 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को लाभ मिल रहा है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि बलागढ़ और पांडुआ ब्लॉक के आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक मेगा सरफेस वाटर प्रोजेक्ट भी प्रगति पर है, जिससे करीब 1.5 लाख परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि बैठक में यह भी माना गया कि केंद्रीय निधियों की कमी के कारण मिशन की गति कुछ धीमी पड़ी है। इसके बावजूद, पीएचइडी को निर्देश दिया गया है कि उपलब्ध संसाधनों के साथ स्कूलों आईसीएस केंद्रों और स्वास्थ्य सुविधाओं में पेयजल कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। बैठक के अंत में जिला मजिस्ट्रेट खुरशिद अली कादरी ने आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को मजबूत कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

गैस गोदाम में बड़ी चोरी, लाखों रुपये नकद और मोबाइल लेकर फरार हुए चोर

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के बांकड़ा इलाके में बुधवार सुबह गैस गोदाम में हुई चोरी की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह जब डिलीवरी बॉय गोदाम पहुंचा, तो उसने शटर का ताला टूटा हुआ देखा और तुरंत दुकान मालिक को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्राथमिक जांच में सामने आया कि चोरों ने रात के दौरान गैस गोदाम और दुकान के शटर का ताला तोड़कर ड्रॉअर से लगभग चार लाख रुपये से अधिक नकद और एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना को बेहद सुनियोजित बताया जा रहा है, क्योंकि चोर किसी भी तरह के शोर-शराबे के बिना वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। डोमजूर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच तेज कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

बनगांव नगरपालिका अध्यक्ष गोपाल सेठ ने दिया इस्तीफा

आस्था मत से पहले ही पद छोड़ा

कोलकाता, समाज्ञा

आस्था मतगणना शुरू होने से कुछ घंटे पूर्व ही बनगांव नगरपालिका के अध्यक्ष गोपाल सेठ ने पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार की दोपहर 12 बजे आस्था मत निर्धारित था, किंतु उससे पहले ही उन्होंने नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी को ई-मेल के माध्यम से अपना त्यागपत्र भेज दिया। अपने इस्तीफे में सेठ ने तृणमूल के राज्य अध्यक्ष सुव्रत बक्सी के निर्देश का भी उल्लेख किया है। उल्लेखनीय है कि पार्टी ने उन्हें पद छोड़ने का निर्देश दिया था और 15 नवम्बर तक की समयसीमा तय की गई थी। निर्धारित समय में त्यागपत्र न देने पर तीन पार्षदों ने उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव दायर किया था। सेठ का कहना था कि नगरपालिका की पूर्व उपाध्यक्ष ज्योत्स्ना अड्डा ने उनके खिलाफ हाई कोर्ट में मामला दायर किया है और मामला विचाराधीन होने के कारण वे इस्तीफा नहीं दे पा रहे थे। साथ ही, उन्होंने राज्य अध्यक्ष को पत्र लिखकर यह भी पूछा था कि उन्हें पद से हटाने का कारण क्या है। उधर, नगरपालिका की सेवा-ाओं को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही थी। भाजपा ने नगरपालिका में प्रशासनिक ठहराव का आरोप लगाया था।

मेहनत की गाढ़ी कमाई पर धोखाधड़ी का शिकंजा, आरोपी फरार

❑ रोते बिलखते थाने पहुंचे पीड़ित

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के मोगरा थानांतर्गत बासबेड़िया से धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। करोड़ों रूपये की रकम ठगने के बाद ठग फरार होगया। इस घटना को लेकर भारी तनाव फैल गया है। ठगी का शिकार हुए पीड़ित निवेशक लोग रोते-बिलखते मोगरा थाने पहुंचे। आरोपों के घेरे में बासबेड़िया बोरोपाड़ा इलाके के निवासी साबिर अंसारी है। पीड़ितों ने बताया कि साबिर लंबे समय से एक निजी बचत योजना या फंड के नाम पर स्थानीय लोगों से भारी मात्रा में पैसा जमा कर रहे थे। साबिर लोगों को सुरक्षित भविष्य का भरोसा देकर नियमित किस्तों में पैसे जमा कराने के लिए प्रेरित करते थे। उस फंड में जमा राशि का अनुमान लगभग 30 से 35 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। लेकिन अचानक ही वह फरार हो गए जिससे इलाके में भारी हड़कंप मच गया। सबसे अधिक दुखद स्थिति में इलाके के कई असहाय परिवार है। कोई बीमार पति के इलाज के लिए, कोई बेटी की शादी के लिए, तो कोई अपनी आखिरी बचत उस फंड में जमा कर चुके हैं। आरोपी के फरार होने की खबर फैलते ही लोग फूट-फूटकर रोने लगे।शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इससे पहले भी एक बार साबिर इलाके से भाग गया था। बाद में वह छिपकर घर लौटा और सोमवार को एक बैठक बुलाने का आश्वासन दिया। लेकिन बैठक से पहले ही वह दोबारा गायब हो गया।धोखाधड़ी की बात सामने आते ही नाराज लोग पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस प्रशासन की ओर से बताया गया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश में अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस के आश्वासन के बावजूद फिलहाल बासबेड़िया इलाके में गुस्से का माहौल बना हुआ है।

माता-पिता के बाद बेटी की संदिग्ध मौत

हुगली, समाज्ञा : जिले के चंदननगर थाना क्षेत्र में एक ही परिवार की लगातार तीसरी मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने बुधवार को घर से 43 वर्षीय शर्मिष्ठा दास का शव बरामद किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए चुंचुड़ा इमामबाड़ा अस्पताल भेज दिया। ज्ञात हो कि 6 जून को चंदननगर के बैद्यपोता इलाके में शर्मिष्ठा दास, उनके पिता एकेंद्रनाथ दास (87) और मां सुनीता दास (83) ने आर्थिक संकट के कारण नींद की दवा खाकर सामूहिक आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उस दिन तीनों को अचेत अवस्था में घर से बचाया गया था।

चंदननगर अस्पताल ले जाने पर वृद्ध दंपति की मौत हो गई थी, जबकि शर्मिष्ठा की हालत स्थिर होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। तब शर्मिष्ठा ने बताया था कि कठिन आर्थिक तंगी ही इस निर्णय की वजह थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से शर्मिष्ठा घर से बाहर दिखाई नहीं दे रही थीं। एक परिचित ने बताया कि वे खाना भी नहीं खा रही थीं।

आज पड़ोसियों ने खिड़की से झांककर देखा कि वह कमरे के अंदर पड़ी हुई है और तेज दुर्गंध आ रही है। इसके बाद तुरंत नगरपालिका और पुलिस को सूचना दी गई। चंदननगर थाना की पुलिस ने घर में प्रवेश कर शव बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पड़ोसियों और पुलिस का कहना है कि यह परिवार कभी बेहद संपन्न था। घर के मुखिया का कोलियरी का व्यवसाय था, लेकिन बाद में व्यापार में भारी गिरावट के कारण परिवार आर्थिक तंगी में आ गया। आर्थिक संकट और मानसिक अवसाद ही इस दुखद घटनाक्रम के पीछे मुख्य कारण माने जा रहे हैं।

सभी जगह बराबर लड़ाई नहीं, 'शून्य' तोड़ने के लिए 2026 में महज कुछ चुनिंदा सीटों पर फोकस करेगा सीपीएम

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में सीपीएम अब हर जगह बराबर ताकत नहीं झोंकेगी। पार्टी के शून्य विधायक वाले दौर को खत्म करने के लिए आलिमुद्दीन स्ट्रीट ने नया रणनीतिक फॉर्मूला अपनाया है - पूरे 294 सीटों पर लड़ाई तो होगी, लेकिन असली जोर सिर्फ 50-60 चुनिंदा सीटों पर होगा। बाकी सीटों पर प्रतीकात्मक उम्मीदवार खड़े करने की तैयारी है।

सूत्रों के अनुसार, राज्य के सभी जिलों से आए संगठनात्मक रिपोर्ट और आंतरिक सर्वे के आधार पर सीटों को कई कैटेगरी में बांटा गया है। जिन इलाकों में पार्टी का संगठन अभी भी कुछ हद तक जिंदा है और जनसमर्थन का कुछ आधार बचा हुआ है, उन सीटों को ही टॉप प्राथमिकता का दर्जा दिया गया है।

खास फोकस वाली सीटों में मालदा और मुर्शिदाबाद के कई विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा बांकुड़ा, पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया, पूर्व व पश्चिम बर्धमान, हुगली, नदिया और उत्तर 24 परगना के चुनिंदा क्षेत्रों पर विशेष नजर है। कोलकाता के निकटवर्ती महत्वपूर्ण सीटों में जादवपुर, दमदम और कामारहाटी भी इस सूची में हैं।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, संगठन की स्थिति बेहद कमजोर है और वोट का बड़ा हिस्सा भाजपा के खाते में चला गया है। इसलिए 294 सीटों पर समान रूप से ताकत लगाना व्यर्थ है। हम उन 50-60 सीटों पर सबसे मजबूत उम्मीदवार उतारेंगे, स्टार प्रचारकों को लगाएंगे और संगठन की पूरी ताकत झोंक देंगे।

इन चुनिंदा सीटों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र शामिल हैं। ग्रामीण इलाकों में गरीब-मजदूर वर्ग जबकि शहरी क्षेत्रों में शिक्षित मध्यम वर्ग तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई है। 2024 लोकसभा चुनाव के परिणामों को भी इस चयन में आधार बनाया गया है।

पार्टी का मानना है कि अगर इन 50-60 सीटों पर भी खाता नहीं खुला तो बंगाल में वाम मोर्चे का भविष्य और अंधकारमय हो जाएगा। इसलिए शून्य तोड़ो मिशन को सबसे ऊपरी प्राथमिकता दी गई है।

कोलकाता में तीन 'रेड-लाइट' इलाकों में यौनकर्मियों के लिए एसआईआर शिविर का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत यौनकर्मियों को गणना प्रपत्र भरने में मदद करने के लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बुधवार को कोलकाता के कई रेड-लाइट इलाकों में शिविर का आयोजन किया। ये शिविर शहर के खिदिरपुर, कालीघाट और चेतला इलाकों के रेड-लाइट क्षेत्रों में स्थापित किए गए थे। यह कदम पूर्व महानगर के एशिया के सबसे बड़े 'रेड-लाइट' क्षेत्र सोनागाछी में इसी तरह के सहायता शिविरों के आयोजन के एक दिन बाद उठाया गया है। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने बताया कि ये शिविर खिदिरपुर के मुंशीगंज मार्ग पर स्थित फाइव स्टार क्लब में और 148 कालीघाट मार्ग पर तथा चेतला के 29/ए राखलदास आध्या मार्ग पर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये विशेष शिविर सुबह 11 बजे से शुरू किए गए। इसी के साथ उन्होंने कहा कि यौनकर्मियों को गणना प्रपत्र भरने में सहायता दी जाएगी और शिविर शाम चार बजे तक चलेगा। अधिकारी के अनुसार, खिदिरपुर कैंप में लगभग 70, कालीघाट में करीब 100 और चेतला में लगभग 60 सेक्स वर्करों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को नामांकन प्रपत्र भरने में सहायता दी गई ताकि उनके नाम मतदाता डेटाबेस में सही ढंग से दर्ज हो सकें।

तृणमूल कांग्रेस ने राज्य के लिए जारी मनरेगा की राशि पर श्वेत पत्र की मांग की

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य को आवंटित राशि पर केंद्र सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग करते हुए बुधवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। दोनों सदनों के तृणमूल सांसदों ने संसद परिसर में सफेद तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया, जिन पर कुछ लिखा नहीं था।

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मार्च, 2024 में पश्चिम बंगाल को किए गए आवंटन पर श्वेत पत्र की मांग की थी। देव ने कहा कि मार्च 2024 में अभिषेक बनर्जी ने (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदीजी और

अमित शाह को बंगाल को किए गए आवंटन पर एक श्वेत पत्र जारी करने की चुनौती दी। उन्होंने खुली बहस की चुनौती दी थी। तब से 21 महीने हो गए हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी और मोदी सरकार यह नहीं बता पाई है कि उन्होंने बंगाल और उसके आवंटन पर क्या किया। उन्होंने कहा कि इसलिए, आज हमने मोदी-शाह सरकार को याद दिलाने के लिए हाथ में श्वेत पत्र लेकर विरोध प्रदर्शन किया कि आप बंगाल को वंचित करना जारी रख रहे हैं और केवल राज्य को बदनाम करने के लिए संसद के दोनों सदनों के अंदर झूठे दावे करते हैं क्योंकि आप बंगाल में चुनाव नहीं जीत सकते।

फ्लिपकार्ट मिनट्स ने दुर्गापुर में शुरू की 10 मिनट डिलीवरी सेवा

कोलकाता, समाज्ञा : फ्लिपकार्ट ने अपनी क्रिक कॉमर्स सेवा फ्लिपकार्ट मिनट्स का दुर्गापुर में विस्तार करते हुए दैनिक जरूरत के उत्पादों की 10 मिनट में डिलीवरी शुरू कर दी है। तेज सेवाओं के लिए कंपनी ने बामुनारा, तपोबन सिटी, शंकरपुर, विधानपार्क और जवाहरलाल नेहरू रोड पर माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर स्थापित किए हैं, जहां से ग्रॉसरी, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, पैकेज्ड फूड और पर्सनल केयर जैसी श्रेणियों के उत्पाद तुरंत उपलब्ध होंगे। स्थानीय पसंद को ध्यान में रखते हुए फ्लिपकार्ट मिनट्स इंजन, गणेश, राइस विला, जेके स्पाइसेज, मुखारोचक, सनराइज प्योर और जोल्खाबार जैसे लोकप्रिय क्षेत्रीय ब्रांड्स की विस्तृत रेंज पेश कर रहा है। फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हेमंत बद्री ने कहा कि यह पहल पश्चिम बंगाल के टियर-2 शहरों में क्रिक कॉमर्स को और गति देगी तथा ग्राहकों को तेज, सुविधाजनक और भरोसेमंद सेवा प्रदान करेगी।

एचआरएस अलुग्लेज लिमिटेड का आईपीओ 11 दिसंबर से खुलेगा

कंपनी 50.92 करोड़ रुपये जुटाने की तैंयारी में

कोलकाता, समाज्ञा : एचआरएस अलुग्लेज लिमिटेड अपने आईपीओ के माध्यम से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाएगी। यह निर्गम 11 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक खुला रहेगा। ऑफर का प्रबंधन क्यूम्युलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड कर रही है और कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। यह इश्यू कुल 53.04 लाख इक्विटी शेयरों के फ्रेश ऑफर से बना है, जिसमें से 50.29 लाख शेयर सार्वजनिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होंगे। शेयरों का मूल्य वर्धित अंक 10 रुपये और मूल्य सीमा 94 से 96 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम आवेदन 2,400 शेयरों का है, जिसके लिए ऊपरी मूल्य सीमा पर 2.30 लाख रुपये का निवेश आवश्यक होगा। इश्यू से प्राप्त राशि में से 18.30 करोड़ रुपये अहमदाबाद के राजोदा में फसाड असेंबली तथा कांच ग्लेज़िंग लाइन स्थापित करने, 19 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी की जरूरतों के लिए और शेष राशि सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों हेतु उपयोग की जाएगी। 2012 में स्थापित कंपनी के पास 30 सितंबर 2025 तक 28 सक्रिय परियोजनाएं हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी ने 26.35 करोड़ रुपये की आय दर्ज की है और अपने सुदृढ़ वित्तीय प्रदर्शन तथा विस्तार योजनाओं के साथ निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है।

दक्षिणेश्वर मंदिर पर कलकत्ता हाईकोर्ट में मुकदमा फिर शुरू!

कोलकाता : क्या दक्षिणेश्वर काली मंदिर सार्वजनिक संपत्ति है या निजी संपत्ति? इस सवाल को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले इस मामले की सुनवाई शुरू हुई थी, लेकिन बीच में रुक गई थी, और अब यह फिर से शुरू हो रहा है।

दक्षिणेश्वर मंदिर से जुड़े सभी मामलों को अब न्यायमूर्ति सब्यसाची भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की डिविजन बेंच को भेज दिया गया है। मुख्य मामले की सुनवाई आगामी 17 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है।

यह मामला मुख्य रूप से 2022 में जनहित याचिका, ट्रस्टी समिति के चुनाव और वित्तीय अनियमितताओं सहित विभिन्न आरोपों को लेकर शुरू हुआ था। लेकिन विभिन्न कारणों से इस मामले की कोई सुनवाई नहीं हो पाई थी। अब 'पब्लिक या पर्सनल प्रॉपर्टी' के केंद्रीय प्रश्न के साथ यह मुकदमा फिर से शुरू हो गया है।

इससे पहले, हाईकोर्ट की ओर से केंद्र सरकार और राज्य सरकार को नोटिस भेजने का निर्देश दिया गया है। न्यायालय के पिछले निर्देशों के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकारों को एक रिपोर्ट जमा करनी होगी। इस रिपोर्ट में यह बताना होगा कि उन्होंने दक्षिणेश्वर मंदिर ट्रस्ट को कोई वित्तीय अनुदान दिया है या नहीं। यह रिपोर्ट आगामी सुनवाई में जमा करने का निर्देश दिया गया है।

कोलकाता मेट्रो में डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा, विभिन्न स्टेशनों पर लगे विशेष कैंप

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो ने यात्रियों को डिजिटल भुगतान तथा ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को शहरभर के स्टेशनों पर विशेष जागरूकता कैंप आयोजित किए। ब्लू लाइन, ग्रीन लाइन, पर्पल लाइन, ऑरेंज लाइन और येलो लाइन के सभी स्टेशनों पर लगाए गए इन शिविरों में यात्रियों को उन्नत 'आमार कोलकाता मेट्रो' ऐप के फीचर्स समझाए गए। मेट्रो कर्मचारियों ने यात्रियों को यह ऐप गूगल प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड करने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की। कैंप में यूपीआई आधारित टिकटिंग सिस्टम का उपयोग करके टोकन खरीदने तथा एएससीआरएम मशीनों के माध्यम से स्मार्ट कार्ड रिचार्ज करने का तरीका भी सिखाया गया। यात्रियों ने डिजिटल टिकटिंग को लेकर उत्साह दिखाया और कहा कि इस प्रणाली से समय की बचत होती है तथा लंबी कतारों से छुटकारा मिलता है। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, यह पहल यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और तकनीक-सक्षम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जारी प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भाजपा 'सर-सर' बोल के जितना भी चीखे बंगाल में 'मैडम' के सामने कुछ नहीं कर पाएगी : शताब्दी रॉय

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल सांसद शताब्दी रॉय ने एसआईआर को सत्ता पक्ष के कुछ लोगों द्वारा 'सर' कहे जाने को लेकर भाजपा पर बुधवार को तंज कसते हुए कहा कि भाजपा 'सर-सर' बोल कर जितना भी चीखे ,पश्चिम बंगाल में 'मैडम' के सामने कुछ नहीं कर पाएगी। इस दिन, शताब्दी रॉय ने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग किसी पार्टी के लिए तो नहीं है। निर्वाचन आयोग किसी का बंधुआ मजदूर तो नहीं है। निर्वाचन आयोग किसी पार्टी को हराने-जिताने के लिए तो नहीं है। फिर आयोग के ऊपर इतने दाग क्यों लग रहे हैं? क्यों निर्वाचन आयोग पर सवाल उठ रहे हैं।

उन्होंने मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संदर्भ में कहा कि 'सर' शब्द के प्रति श्रद्धा की भावना होती है लेकिन सत्ता पक्ष के लोगों ने एसआईआर, 'सर' को डराने वाला गब्बर सिंह बना दिया। तृणमूल सांसद ने आरोप लगाया कि एसआईआर पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ये लोग बंगाल के बारे में जो भी बोलते हैं, सब गलत है। इनको कुछ भी पता नहीं है। सिर्फ चुनाव के समय इनके नेता वहां पहुंच जाते हैं और हार कर आ जाते हैं। इस बार (2026) भी वही होगा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप बिहार के बारे में कहते हैं कि वहां जीते हैं, कोई बोल रहे हैं कि 'लूटे' हैं। लेकिन बंगाल में आप ऐसा नहीं कर सकते। तृणमूल सांसद ने 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि बीजेपी जितना भी 'सर-सर' बोल के चीखे, पश्चिम बंगाल में 'मैडम, मैडम, मैडम' ममता बनर्जी है। आप हारेंगे। 'सर' भी मैडम के सामने कुछ नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग घूमा-फिरा कर यह बता रहा कि आप नागरिक हैं या नहीं हैं, लेकिन संविधान के किस अनुच्छेद के तहत आप ऐसा कह रहे हैं? नागरिकता देने के लिए आपके पास क्या शक्तियां हैं?

उन्होंने कहा कि एसआईआर के लिए बंगाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के होने का हवाला दिया जा रहा है, लेकिन मिजोरम, नगालैंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा भी तो सीमावर्ती राज्य हैं, वहां क्यों नहीं एसआईआर कराया जा रहा और क्यों केवल बंगाल में कराया जा रहा? इसलिए कि वहां 2026 में चुनाव है।

102 सफल उम्मीदवारों को नौकरी के प्रस्ताव पत्र दिए गए

पुरुलिया : तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग के अंतर्गत बुधवार को उत्कर्ष बांग्ला-पुरुलिया द्वारा पुरुलिया पॉलिटेक्निक कॉलेज में एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला मजिस्ट्रेट कोंथम सुधीर (आईएएस), अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भूमि एवं भूमि सुधार मंत्री पाटिल योगेश अशोक राव (आईएएस), पीबीएसएसडी के जिला नोडल अधिकारी और पुरुलिया पॉलिटेक्निक के कार्यवाहक प्रिंसिपल की उपस्थिति में किया गया। जानकारी के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों की 11 प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में भाग लिया और नौकरी चाहने वालों को रोजगार के अवसर प्रदान किए। इस जॉब फेयर में 350 से अधिक नौकरी चाहने वालों ने भाग लिया। इनमें से 102 सफल उम्मीदवारों को नौकरी के प्रस्ताव पत्र दिए गए।

न्यू सरस्वती हाउस के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में 200 से अधिक शिक्षकों और 40 प्राचार्यों का सम्मान

कोलकाता, समाज्ञा : न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के 75 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में रविवार को होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल, कोलकाता में हिंदी विषय संवर्धन कार्यशाला और ग्रैंड कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक हिंदी शिक्षक-शिक्षिकाओं और लगभग 40 प्राचार्यों की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, विशेषकर एआई आधारित हिंदी शिक्षण को बढ़ावा देना और शिक्षा नेतृत्व को साझा मंच उपलब्ध कराना था। सुबह 10 बजे शुरू हुई कार्यशाला का संचालन राष्ट्रीय कार्यशाला विशेषज्ञ, कवि व लेखक डॉ. त्रिलोक नाथ पांडेय ने किया।

उन्होंने एआई आधारित डिजिटल टूल्स और नवीन शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। दोपहर 12:30 बजे प्राचार्यों के लिए आयोजित ग्रैंड कॉन्क्लेव में न्यू सरस्वती हाउस के सीईओ शम्मी मानिक और ऑल इंडिया प्रोडक्ट मैनेजर अनुरिमा रॉय ने आगामी शैक्षणिक संसाधनों और डिजिटल सामग्री की रूपरेखा प्रस्तुत की।

संस्थान के वाइस प्रेसिडेंट शबिह उस्मानी ने स्वागत भाषण में 75 वर्षों की यात्रा और तकनीकी एकीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आरजे अभिषेक ने किया। उपस्थित शिक्षकों और प्राचार्यों ने कार्यक्रम की उत्कृष्ट व्यवस्था और ज्ञानवर्धक सत्रों की सराहना की। आयोजन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ऊर्जा के लिये खायें खजूर

सुनीता गाबा

प्राकृतिक रूप से पका हुआ खजूर फल कहलाता है और अधपका खजूर जिसको सुखा लिया जाये, वह सूखा मेवा छुहारा कहलाता है। खजूर भी कई नामों से जाना जाता है जैसे पिंड खजूर, छुहारा आदि। खजूर प्राकृतिक रूप से पौष्टिक आहार है। इसे गरीबों का मेवा भी कहा जाता है।

खजूर के अन्य भी कई लाभ होते हैं। खजूर की गुठली से तेल बनाकर कई दवाइयों में इसका प्रयोग किया जाता है। इसकी नर्म पत्तियां चटाई, टोकरी, आसन, छाज आदि बनाने के काम आती हैं। खजूर विटामिन 'ए' 'बी' 'सी' से भरपूर होता है। खजूर तासीर में ठंडा, खाने में मीठा, खून साफ करने वाला होता है। आयुर्वेदिक दृष्टिकोण में खजूर में 70 प्रतिशत प्राकृतिक शर्करा होती है। प्राकृतिक रूप से मीठी होने से शरीर को तत्काल ऊर्जा प्राप्त होती है। थकावट दूर करने के लिए खजूर का सेवन बहुत लाभप्रद होता है।

जो बच्चे बिस्तर गीला करते हैं या जिन्हें भूख नहीं लगती, उन्हें खजूर दूध में उबालकर ठंडा करके देने से भूख बढ़ती है और बच्चे बिस्तर गीला नहीं करते। ऐसे में खजूर की गुठली को पहले निकाल लें। मूत्रा रूकावट और मूत्रा दाह में खजूर का सेवन रामबाण का काम करता है।

महिलाओं में मासिक धर्म की गड़बड़ी में भी इसका सेवन लाभप्रद है। खजूर का सेवन दांतों को भी मजबूत बनाता है। खजूर के सेवन के बाद पानी मत पिएं। खजूर खरीदते समय ध्यान दें कि खजूर अधिक काली, सूखी और छोटी न हो। आंख के रोगियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। याद रखें कि खजूर का नियमित सेवन मस्तिष्क को ताजगी तथा तरावट प्रदान करता है। चक्कर आदि आने पर भी खजूर इंस्टेंट एनर्जी देता है। (स्वा.द.)

कितने खतरनाक हैं सौंदर्य प्रसाधन?

चन्द्रशेखर आजाद

खूबसूरत दिखने के लिये लोग क्या-क्या नहीं करते। एक समय था जब लड़कियों के लिये सुन्दर होना आवश्यक समझा जाता था परंतु माडलिंग, फिल्म, फैशन और कंपीटीशन के इस दौर में लड़के भी खुद को निखारने में पीछे नहीं रहना चाहते।

सौंदर्य वृद्धि की इस प्रतियोगिता में हर कोई बाकी सब को पीछे छोड़कर आगे निकल जाने का हर संभव प्रयास करना चाहता है। वे खुद को ज्यादा-से-ज्यादा आकर्षक दिखाने के लिये तरह-तरह के नुस्खे अपनाने के अलावा महंगे सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल भी धड़ल्ले से करते हैं।

परंतु क्या आप जानते हैं कि ये सौंदर्य प्रसाधन आपके लिये नुकसान दायक भी हो सकते हैं? आइए, इस बात पर गौर करें कि शारीरिक सौंदर्य बढ़ाने वाले ये प्रसाधन वास्तव में हमारे लिये किस प्रकार हानिकारक साबित हो सकते हैं:-

विवाहित (सुहागिन) महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर लगाती हैं जो सुहाग का प्रतीक माना जाता है। सिंदूर में प्रायः सीसा का भी मिश्रण होता है जो खास

कर गर्भवती स्त्री एवं उसके बच्चे के लिये हानिकारक होता है।

विभिन्न प्रकार के नेल पॉलिश बनाने के लिये विभिन्न प्रकार के रसायनों का उपयोग किया जाता है। कई बार ये नेलपॉलिश हमारे नाखून को चमकीले रंग तो देते हैं परंतु बाद में उंगली के अग्रभाग में सूजन के साथ-साथ नाखून के खराब, कमजोर एवं बदरंग होने का कारण भी बनते हैं।

'लेड सल्फाइड' से निर्मित काजल प्रायः घटिया होते हैं जो आंखों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ खून में कमी का कारण भी बन सकते हैं।

आपके खूबसूरत चेहरे पर चमकती हुई छोटी सी बिन्दी वास्तव में आपके सौन्दर्य में चार चांद लगाती है परन्तु कई बार ऐसा होता है कि आप जहां बिन्दी लगाती हैं वहां छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं जिसमें खुजलाहट भी होती है। इससे त्वचा पर सूजन भी आ सकती है जो त्वचा को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इन सबका कारण दरअसल बिन्दी के पीछे लगा चिपचिपा पदार्थ होता है।

आप जिस हेयर रिमूवर का इस्तेमाल कर रही हैं वह आपकी त्वचा का रंग खराब कर सकती है या उसे कोई अन्य प्रकार से नुकसान पहुंचा सकती है।

कई बार घटिया शैम्पू इस्तेमाल करने से बाल बेजान होकर गिरने लगते हैं। इसी तरह यदि बिना बाल डाई किये काम चल जाये तो बेहतर है।

उपर्युक्त तथ्यों का तात्पर्य आपको यह समझाना कदापि नहीं है कि आप सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल न करें। जरूरत बस इतनी है कि जिन चीजों का इस्तेमाल आप सौंदर्य प्रसाधन के रूप में कर रहे हैं वे घटिया किस्म के न हों।

सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल का उद्देश्य होता है शारीरिक सौंदर्य में निखार लाना। इसके विपरीत ये आपको उल्टे परिणाम न दें, इसके लिये किसी अच्छे सौंदर्य विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही किसी सौंदर्य प्रसाधन का उपयोग करें।

अपने विवेकानुसार वही सौंदर्य प्रसाधन व नुस्खे अपनायें जो आपके लिए फिट हों। फिर देखें, आप कैसे इन सौंदर्य प्रसाधनों के बुरे प्रभाव से खुद की रक्षा कर पाने में समर्थ होते हैं और इन्हें अल्प मात्रा में उपयोग करने के बाद भी अपने सौंदर्य में निखार लाने में सफल होते हैं। (स्वा.द.)

बहुत लाभदायक है धनिया

गिरीश चन्द्र ओझा

रसोईघर में धनिया का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। धनिया के पौधे (छोटे) सहित हरी पत्तियां तो उपयोग में लायी ही जाती हैं, इसके पके हुए फल जो छोटे-छोटे और गोलाकार होते हैं, वे भी बहुत उपयोगी होते हैं। हरी पत्तियों की चटनी बनती है तथा सब्जियों में पत्तियों से स्वाद और सुगंध में भी फर्क पड़ता है।

सूखे धनिये का मसालों में महत्त्व-पूर्ण स्थान है। धनिया के बिना कोई भी मसाला तैयार नहीं होता।

आइये देखें कि धनिये की पत्तियों और इसके फलों का क्या-क्या उपयोग किया जाता है:-

धनिये की हरी पत्तियां पित्तनाशक होती हैं। पित्त या कफ की शिकायत होने पर दो चम्मच धनिये की हरी-पत्तियों का रस सेवन करना चाहिए। इस मात्रा को तीन-तीन घण्टे के अन्तराल पर लेना चाहिए मगर आराम होने पर बन्द कर देना चाहिए।

■ ज्वर के प्रकोप में उक्त मात्रा का सेवन लाभदायक होता है।

■ गृहिणी को शक्ति-प्रदान करता है तथा श्वास, खांसी और वमन होने पर धनिया की पत्तियों का रस चिकित्सक से पूछकर सही मात्रा में लेना चाहिए।

■ हरा धनिया या सूखा धनिये के फलों को कूटकर पानी में उबालकर अच्छी प्रकार से छान लें। अर्क को ठण्डा करके एक से दो बूंद तक आंखों में डालें। इससे जलन और पीड़ा से आंखों को आराम मिलता है। गरमी की ऋतु में अक्सर इसे प्रयोग करने से आंखों शीतल बनी रहती हैं।

■ धनिये के चूर्ण को मिश्री के साथ समभाग एक चम्मच ताजे पानी के साथ लेने से पेट के रोगों में आराम मिलता है।

■ धनिये के चूर्ण और मिश्री को समभाग में लेकर चूर्ण बना लीजिए। 10 ग्राम चूर्ण एक छोटे गिलास या कम में उबालकर छानकर आधा कप मात्रा निराहार लें। सिर दर्द और आधा सीसी दर्द में आराम होता है।

■ धनिये की हरी पत्तियों को पीस कर इन्हें छान लें। यह अर्क दो-दो बूंद नाक में टपकाने तथा माथे पर मलने से नकसीर बन्द हो जाती है।

■ एक चम्मच धनिया एक गिलास पानी में डाल काढ़ा बनायें। चौथाई गिलास बचने पर एक चम्मच मिश्री और चौथाई गिलास चावल का मांड़ मिलाकर तैयार कर लें पर उल्टी में आराम मिलता है।

■ किसी वस्तु में जब गुण होते हैं तो कुछ दोष भी होते हैं। धनिये की हरी पत्तियों या सूखे फूलों के काढ़े का ज्यादा सेवन करने से जहां पुरूषों की यौन-शक्ति का ह्रास होता है, वहीं स्त्रियों के मासिक धर्म में भी रूकावट पैदा हो जाती है। धनिये का ज्यादा सेवन दमा के रोगियों को कष्टप्रद होता है।

■ कुछ भी हो, धनिये का मानव जीवन की परिधि में एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। धनिया अमीर-गरीब सभी के भोजन में समान रूप से भागीदार है। (स्वा.द.)

अच्छे स्वास्थ्य का राज है सक्रिय जीवन शैली

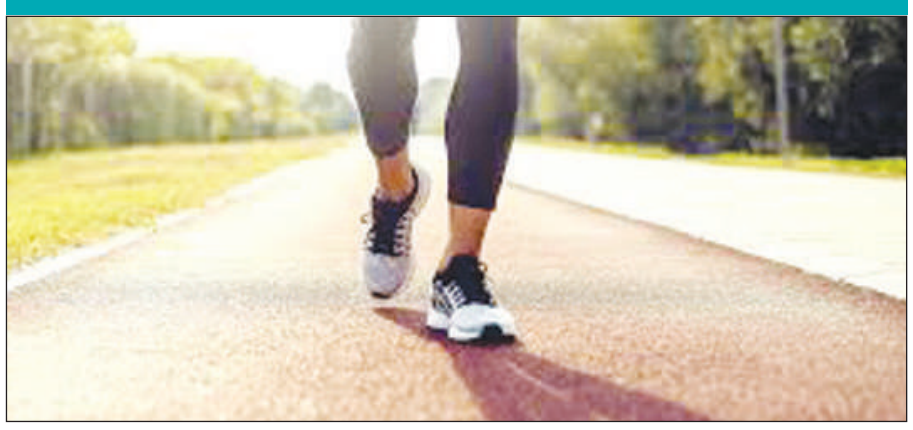

सोनी मल्होत्रा

आज जीवन शैली से संबंधित रोगों के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। प्रारंभ और आज की जीवन शैली में बहुत अधिक परिवर्तन आ चुका है। आज कहने को तो व्यक्ति के पास फुरसत नहीं पर अगर ध्यान से देखा जाए तो वह निष्क्रिय जीवन शैली अपनाए बैठा है जिसमें उसका दिमाग तो क्रियाशील है पर शरीर निष्क्रिय। सम्पूर्ण शरीर के स्वास्थ्य के लिए व्यक्ति का शारीरिक व मानसिक रूप से सक्रिय होना बहुत आवश्यक है।

शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए व्यायाम की महत्ता को स्वीकारा जाना बेहद जरूरी है। वैसे तो आजकल जगह-जगह हेल्थ कल्ब खुले हुए हैं जहां आधुनिक उपकरणों की सहायता से एक्सरसाइज करवायी जाती है पर विशेषज्ञों का मानना है कि पैदल चलने यानी सैर करने से अच्छा कोई व्यायाम नहीं है।

यह इतना साधारण व्यायाम है जिसे कोई भी व्यक्ति आसानी से कर सकता है। इसके लिए न तो कोई खर्च करने की जरूरत है और न ही किसी उपकरण की आवश्यकता है। इससे भी अधिक इस व्यायाम का फायदा यह है कि इसे हृदय रोगी, मधुमेह रोगी सभी आसानी से कर सकते हैं। हृदय रोगियों को भारी व्यायाम न करने की सलाह दी जाती है पर सैर करना हर किसी रोगी के लिए उपयुक्त व्यायाम है।

पैदल चलने से शरीर को आक्सीजन की अधिक मात्रा मिलती है, हृदय को अधिक आक्सीजन मिलती है और रक्त संचार बढ़ता है। हमारा हृदय पूरे शरीर को रक्त पहुंचाने का कार्य करता है पर यही रक्त नाड़ियों की सहायता से हृदय को वापिस पहुंचना होता है। जब हम पैदल चलते हैं तो हमारी टांगों की मांसपेशियां कार्य करती हैं और रक्त संचार बढ़ता है।

मोटापा कम करने के लिए हम हैल्थ क्लबों, जिम आदि में जो पैसा बर्बाद करते हैं अगर उसकी बजाय प्रतिदिन 15 मिनट की सैर करें तो अधिक लाभकारी हो। सैर करते समय कुछ बातों को ध्यान में रखें-

◗ रात की सैर की बजाय सुबह सैर करना अधिक लाभप्रद है क्योंकि प्रातः काल हवा ताजी और कम प्रदूषित होती है।

◗ सैर करते समय ढीले ढाले वस्त्रा पहनें। सूती कपड़े पहनें जो आपको ठंडक पहुंचाएं।

◗ सर्दियों में सैर करते वक्त स्कार्फ या हैट का प्रयोग करें क्योंकि हवा बहुत ठंडी होती है।

◗ अगर आपको बुखार है या आप कमजोरी महसूस कर रहे हैं तो सैर न करें।

◗ कई बार व्यक्ति प्रारंभ में अधिक पैदल चलने की कोशिश करता है जिससे उसे थकावट व टांगों में दर्द हो सकता है इसलिए एक ही बार बढ़ाने से बेहतर है कि धीरे-धीरे सैर के समय या अवधि को बढ़ाएं।

◗ पैदल चलना तभी फायदेमंद हो सकता है अगर आप इसे नियमित करें। 15 दिन या एक महीने कर आप इसे छोड़ दें तो आपको इसका कोई फायदा नहीं मिलेगा, इसलिए इसे अपनी दिनचर्या का एक हिस्सा बना लें और प्रारंभ में सप्ताह में तीन बार, फिर पांच बार और फिर इसे प्रतिदिन करें और अपने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं। (स्वा.द.)

चिड़चिड़ा पन- व्यक्तित्व पर प्रहार

विजेन्द्र कोहली

किसी भी व्यक्ति का कुशल एवं बैलैंस्ड व्यवहार-उसके सुन्दर एवं संतुलित जीवन का दर्पण होता है। ऐसा व्यक्ति अपने इष्ट मित्रों, बन्धु-बांधवों में, श्रेष्ठ एवं प्रतिष्ठित माना जाता है। कहा भी गया है कि हमें दूसरों से वैसा व्यवहार कदापि नहीं करना चाहिए जैसा हम स्वयं के साथ-पसन्द नहीं करते। अच्छी व्यवहार कुशलता प्रभु का एक दिव्य वरदान होता है।

यदि आप दूसरों का ध्यान रखें तो वे स्वतः ही आप का स्वागत एवं अभिनन्दन करेंगें। कई बार हमारी कुण्ठा के कारण हमारा व्यवहार चिड़चिड़ा, खिजाऊ, शक्की एवं कुण्ठित हो जाता है। यदि हम चिड़चिड़ेपन का पल्लू पकड़ लेंगे तो जल्दी ही हम अपनों में बेगाने हो जाएंगे। स्त्रियां ही नहीं, पुरुष भी चिड़चिड़े स्वभाव के पाए गए हैं।

स्त्रियां प्रायः घरेलू कामकाज के बोझ तले इतनी दब जाती हैं कि वे जल्दी ही छोटी छोटी बातों से खीज जाती हैं। खीजना या चिड़चिड़ापन विकसित कर लेना रूग्ण मानसिकता का परिचायक है। वह प्रायः अपनी कुण्ठा को दूसरों को अपमानित करके शांत कर लेती हैं। ऐसी तुनक मिजाजी स्त्रियां परिवार के लिए समस्या का कारण बन जाती हैं। अपने बच्चों पर बात बात पर अकारण बरस पड़ना उनका प्रतिदिन का काम हो जाता है

जिसके कारण परिवार के सभी सदस्यों की जान आफत में फंसी होती है। यह हड्डी न निगली जाती है, न हीं छोड़ी जाती है।

हम प्रायः अपने अपने दुःखों से उतना दुःखी नहीं होते जितना दूसरों के सुखों से ईर्ष्या करते हैं। दूसरे के वैभव एवं लग्ज़री को देख कर कुठित हो उठते हैं। यह प्रवृत्ति बहुत से नर-नारियों में होती है। बहुत कम लोग इस दुर्गुण से दूर रहते हैं। ऐसे लोग सब जगह इज्जत पाते हैं और सुख भोगते हैं। हंसमुख एवं व्यवहार कुशल लोगों को सब पसंद करते हैं।

प्रायः जब हम दूसरों के व्यवहार को पसन्द नहीं करते, वह हमारे अनुरूप कार्य नहीं करता तो हम कुंठित होकर चिड़चिड़े हो जाते हैं। बात-बात पर खीज जाते हैं। प्रतिकूल सोच विचार के कारण हमारे स्नायुतंत्रा पर अनावश्यक बोझ पड़ता है। जहर पैदा होते हैं, एंटी बाड़ी पैदा होते हैं जिसके कारण कुंठा उपजती है। ऐसे समय में शांत रहने का प्रयास करना चाहिए। खुशमिजाज एवं हास्यपूर्ण सोच बनाएं।

इससे बहुत से बिगड़े सम्बन्ध जुड़ जाते हैं। बिगड़ती बात बन जाती है। मन में किसी भी प्रकार का कांपलेंक्स न आने दें।

आप मन में सोचें कि आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कृति हैं, आपको भगवान ने कोई विशेष कार्य करने के लिए भेजा है। आप निर्धारित कार्य करें तो आपको मानसिक प्रसन्नता मिलेगी। चिड़चिड़ेपन कुंठा-झल्लाहट से निकलने की कुछ चेष्टा आप करेंगे तो आपके व्यक्तित्व को चार चांद लग सकते हैं। आप सर्व प्रिय हो सकते हैं।

अपनी बातें मत हांके, दूसरों की बातें सुने-दूसरों के गुणों को अपनाएं। दूसरों की उन्नति देखकर खुश होएं।

बात-बात पर क्रोधित न हों। क्रोध करना कमजोरी की निशानी है। क्रोध में आप निर्णय नहीं ले सकते, सोचकर नहीं बोल सकते। अनाप शनाप बोलेंगे। इस प्रवृत्ति से बचें।

अपनी समस्याओं का समाधान स्वयं ढूढें। दुनिया हंसने वाले के साथ हंसती है, रोने वाले के साथ कोई नहीं रोता। सुख में सब साथी, दुःख में न कोई। अपने दुःखों, तकलीफों, कमियों का रोना दूसरों से न करें।

अपने मन की बात हर किसी की मत बताएं लेकिन कोई एक मित्रा, सखी, सहेली, पारिवारिक सदस्य ऐसा ज़रूर हो जिस से आप विचारों का आदान प्रदान कर सकें ताकि आप के मन का बोझ हल्का हो सके।

अपने जीवन को एक सुन्दर मनोरम पर्वत जैसा बनाएं। अपने स्वभाव एवं पसन्द के अनुसार अपना घर, दफ्तर, दुकान, वातावरण सजाएं। जीवन आपको सार्थक लगेगा। दूसरे आपका सम्मान करेंगे। अपनी इज्जत आप स्वयं करें तो दूसरे भी करेंगे। (स्वा.द.)

फूलों से पायें अच्छी सेहत

सनोज कुमार

फूलों से अच्छी सेहत पाने के जरूरी टिप्स यहां दिये जा रहे हैं।

गुलाबः-

गुलाब के बिना तो पुष्पों का परिचय अधूरा है। यह पुष्प बहुत गुणवान है। केवल देसी गुलाब, जो गुलाबी और लाल रंग लिए होता है, में काफी खुशबू होती है। इन पुष्पों का गुलकंद गर्मी की कई बीमारियों को शांत करता है। गुलाब जल से आंखें धोने से आंखों की जलन में आराम मिलता है। गुलाब का इत्रा मन को प्रसन्नता देता है। गुलाब का तेल मस्तिष्क को ठंडा रखता है व गुलाबजल का प्रयोग अनेक उबटनों आदि में किया जाता है।

गेंदाः-

मच्छरों का प्रकोप कम या दूर करना हो तो घर के आसपास गेंदे के पौधे लगाएं। इसकी गंध से मच्छर दूर भागते हैं। चर्मरोग होने या शरीर के किसी हिस्से में सूजन आ जाने पर इन फूलों को पीसकर पेस्ट बना कर लगाने से फायदा होता है।

कमलः-

वैसे तो कमल का फूल कई रंगों में आता है लेकिन ज्यादातर लाल और सफेद ही होता है। इसकी पंखुड़ियों को पीसकर चेहरे पर मलने से सुंदरता बढ़ती है। इनके फूलों के पराग से मधुमक्खियां शहद बनाती हैं।

बेलाः-

यह पुष्प भी अत्यधिक सुगंधयुक्त है। यह फूल गर्मी में कुछ ज्यादा ही फूलता है। बेल के फूलों का हार या पुष्प अपने पास रखने से पसीने की दुर्गंध नहीं आती। इसकी कलियों को चबाने से महिलाओं में मासिक धर्म की रूकावट दूर होने में मदद मिलती है।

चंपाः-

यह तीन रंगों में मिलता है, सफेद, लाल और पीला जिसे स्वर्णचंपा भी कहते हैं परंतु स्वर्णचंपा बहुत कम देखने में मिलता है। अधिकतर सफेद चंपा ही दिखायी देता है। इसका पेड़ काफी ऊंचा होता है।

चंपा के फूलों को सुखा कर चूर्ण बनाएं व तेल में मिला कर खुजली वाले हिस्से पर लगाएं। तुरंत राहत मिलेगी। स्वर्णचंपा कुष्ठरोग में कारगर सिद्ध होता है।

पारिजातः-

पारिजात के फूल बहुत नजाकत भरे होते हैं। इन पुष्पों की छोटी-छोटी डंडियां केसरी होती हैं। इन डंडियों को शरीर पर मलने से उन पर आया हल्का केसरिया रंग सुंदर दिखता है। यह फूल गठिया रोग का निवारण करता है। इन फूलों का काढ़ा बना कर पीना चाहिए।

नीमः-

नीम के फूलों की लुगदी बना कर किसी भी प्रकार के त्वचा रोग पर लगाने से रोग दूर होता है। नीम का पेड़ कल्पवृक्ष के नाम से जाना जाता है। इसकी कोमल डंडियों से दातुन किया जाता है। नीम की पत्तियों को पीसकर रस निकाल कर पीने से कई

बीमारियां दूर होती हैं। इसके लेप से मुंहासों व अन्य चर्म रोगों में लाभ होता है।

(स्वा.द.)

सांस की तकलीफ और दमे से बचाव मुश्किल नहीं है

एस.के. पुरी

वातावरण में प्रदूषण के बढ़ने से सांस की तकलीफों में लगातार वृद्धि हो रही है। ताजी और साफ हवा पाना दूभर होता जा रहा है।

यदि आप अपने को सांस की बीमारियों से बचाना चाहते हैं तो घरों एवं दफ्तरों में एयर प्योरीफायर का इस्तेमाल अवश्य करें। इसके अतिरिक्त हर कमरे में एक्जास्ट फैन का इस्तेमाल भी आवश्यक है।

सांस की बीमारियों से सबसे ज्यादा दमे के रोगी परेशान रहते हैं क्योंकि इसका पूरी तरह निदान नहीं किया जा सकता। दमे को नियंत्रण में जरूर रखा जा सकता है। दमा फेफड़ों के श्वासमार्ग की बीमारी है। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। दमा की बीमारी छूत की बीमारी नहीं है।

श्वासमार्ग के जरिए हवा फेफड़ों में पहुंचती है। ये श्वास नलियां किसी वृक्ष की शाखाओं जैसी संकरी और संकरी होती जाती हैं। ब्रांकियल अस्थमा (श्वसनी दमा) का अर्थ है कठिनाई और घबराहट के साथ बार-बार उठने वाला सांस का दौरा जो बहुत अधिक कफ और हवा की गति में रूकावट के कारण होता है। यह श्वसन-नलिकाओं के और हवा के छोटे मार्गों के सिकुड़ने का परिणाम है।

श्वसनी दमा एलर्जी, श्वास-दूषण, भावात्मक तनाव या प्रबल व्यायाम से भी हो सकता है। आनुवंशिकता ऐसे दौरे प्रायः उत्पन्न कर सकती है। पराग आदि या ठंडी और नम हवा, धुआं और वायु-प्रदूषण, तम्बाकू का धुआं या बाइ-सल्फेट परिरक्षक के कारण अति संवेदन-शीलता ऐसा दौरा प्रेरित कर सकते हैं।

यदि आपको दमा नहीं है तो तनाव से आपको दमा नहीं होगा। यदि आपको पहले से दमा है तो तनाव इसे और बिगाड़ सकता है। भय और चिन्ता थोड़ी श्वासहीनता को भरपूर दमा में बदल सकते हैं।

दमा के सबसे आम लक्षण हैं छाती में कड़ापन, सांस लेने और उससे अधिक श्वास बाहर निकालने में खांसी की तकलीफ, शोर करती हुई श्वास क्रिया, घरघराहट, न रूकने वाली छींकें, घुटनभरी नाक और वायु-मार्गों में कफ बन जाना। दम घुटता हुआ अनुभव होता है और लेटने में दमे का आक्रमण बदतर होता है। अगर दमा की रोकथाम के उपाय जान लिए जाएं तो दमा के मरीज भी एक सामान्य और चुस्त जिंदगी जी सकते हैं।

दमा कोई शर्मनाक बीमारी नहीं। ऐसी चीजों से दूर रहें जिनसे आपको दमा का दौरा पड़ता है। अगर आपको सांस लेने में तकलीफ न हो, आप खुद को स्वस्थ महसूस करते हो, तब भी अपनी जांच अवश्य करवाएं। अगर आप गर्भवती हैं तो धूम्रपान न करें। सिगरेट का धुआं अपने बच्चे या हो सके तो घर से दूर रखें। शिशु के बिस्तर पर धूल से बेअसर खास किस्म की चादर बिछाएं।

दमा के रोकथाम और इलाज के लिए आजकल बहुत सी अत्याधुनिक मशीनें जैसे पीक फ्लोमीटर, आस्टीरियल ब्लडगैस (ए.बी.जी.) मशीन, एयर प्योरीफायरस,बाईपैप मशीन, रैस्पीरेटरी फंक्शन टैस्ट मशीन और बायो फीडबैक मशीन उपलब्ध हैं।

दमा का दौरा पड़ने के शुरूआती लक्षण छाती में जकड़न, खांसी, छाती में खरखराहट। दमा के कुछ दौरे बहुत हल्के होते हैं और कुछ बहुत ही गंभीर किस्म के। दमा के मरीज अक्सर रात में सो नहीं पाते क्योंकि इन्हें जोरदार खांसी आती है या सांस लेने में तकलीफ होती है।

अगर दमा की बीमारी नियंत्रण से बाहर हो जाए तो फेफड़ों के श्वास मार्ग के किनारे सूजकर मोटे हो जाते हैं और इस स्थिति में दमा का दौरा कभी भी पड़ सकता है। दमा के हमले के दौरान फेफड़ों में हवा का आना-जाना बहुत ही कम होता है। दमा का मरीज हवा की कमी के कारण खांसता है और खरखराहट की आवाज पैदा होती है। छाती में इससे हलकापन महसूस होता है। दमा का दौरा पड़ने पर फेफड़ों की श्वासनलियों के किनारे सूजकर और मोटे हो जाते हैं, श्वास नलियां सिकुड़ जाती हैं। श्वास नलियों में म्यूक्स (चिपचिपा पदार्थ) बनने लगता है।

दमा का दौरा कई कारणों से पड़ सकता है। फर की खाल वाले पशुओं के कारण जैसे कुत्ता और बिल्ली, सिगरेट, के धुएं से, बिस्तर या तकिए में मौजूद धूल से, बिस्तर या तकिए में मौजूद धूल, से, झाड़ू लगाने या झटकने से उड़ने वाली धूल से, बहुत तीखी गंध या स्प्रे से, वृक्षों और फलों के पराग कण से, मौसम,सर्दी-जुकाम, दौड़ने, खेलने या बहुत मेहनत का काम करने से। एस्प्रीन का सेवन डाक्टर की सलाह के बगैर न करें। तीव्र या तीखी गंध को घर से बाहर रखें, तेज खुशबू वाले साबुन, शैम्पू या सैंट का उपयोग न करें।

दमा के मरीज द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कमरे में कुछ विशेष व्यवस्था करें। गलीचे, बोरी या रोएंदार कपड़े कमरे से हटा दें क्योंकि इनमें धूल और नमी जल्दी बैठती है। नर्म गद्दीदार कुर्सियां, तकिए और गद्दियां अलग कर दें। ये भी बहुत जल्दी धूल पकड़ती हैं।

बिस्तर पर सादी, नर्म सूती चादर या तकिया रखें, गद्दों, कंबल और तकियों में धूल सबसे ज्यादा खतरनाक है। गद्दे और तकिए पर खास किस्म की धूल न पकड़ने वाली चादर या गिलाफ जिनमें जिपर हो, लगाएं। जूट से बने गद्दे या तकिए इस्तेमाल न करें। बिलकुल साधारण गद्दा, किसी अन्ये गद्दे से बेहतर है। चादर, गिलाफ और कंबल को नियमित गर्म पानी से धोएं।

साफ ताजा हवा के लिए खिड़कियां हमेशा खुली रखें। जब दमा की औषधि श्वास द्वारा ली जाती है तो यह श्वास नलिकाओं से होकर फेफड़ों तक पहुंचती है, जहां इसकी जरूरत होती है। दमा के लिए अलग-अलग आकार के इन्हेलर आते हैं, कुछ स्प्रे के रूप में और कुछ पाउडर के रूप में उपलब्ध हैं।

दमा का मरीज कितनी आसानी से सांस ले सकता है यह जांचने के लिए पीक फ्लोमीटर का उपयोग किया जा सकता है। इसकी मदद से डाक्टर दमे के मरीज की सही पहचान कर सकते हैं यानी आपको दमा की बीमारी है या नहीं। दमा का दौरा कितना गंभीर या कितना साधारण है।

इसकी मदद से डॉक्टर यह भी पता लगा सकता है कि समय के साथ-साथ दमे पर कितना काबू पाया जा सकता है। घर पर हर दिन पीक फ्लोमीटर का उपयोग किया जा सकता है। इस तरह मरीज को यह भी पता लग जाता है कि उसे कब ज्यादा दमा की दवाओं की जरूरत पड़ेगी। (स्वा.द.)

हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेनों और मौजूदा ट्रेनों की लागत के बीच तुलना उपयुक्त नहीं: वैष्णव

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन और इसके बुनियादी ढांचे को प्रायोगिक आधार पर विकसित किया गया है, इसलिए मौजूदा ट्रेन प्रणालियों के साथ अभी इसकी लागत की तुलना करना उपयुक्त नहीं होगा। हाइड्रोजन से चलने वाली हरित ट्रेनों के शुरूआत की समयसीमा के विवरण और अन्य ऊर्जा स्रोतों पर चलने वाली ट्रेनों की तुलना में उनकी लागत के बारे में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे ने अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन को प्रायोगिक आधार पर परिचालित करने के लिए एक अत्याधुनिक परियोजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि नियोजित परिचालन, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा रेलवे में हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए तैयार विनिर्देशों के अनुसार है। वैष्णव ने कहा, ''हाइड्रोजन ट्रेन-सेट का निर्माण पूरा हो चुका है। इस ट्रेन-सेट में उपयोग के लिए हाइड्रोजन उपलब्ध कराने के वास्ते जींद में एक हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित किया गया है। इस संयंत्र में विद्युत अपघटन प्रक्रिया का उपयोग कर हाइड्रोजन का उत्पादन किया जा रहा है, जो हरित हाइड्रोजन उत्पादन का एक प्रमुख तत्व है।'' उन्होंने कहा, ''इस परियोजना में प्रारंभिक चरण से डिजाइन तैयार करना और भारतीय रेलवे में पहली बार हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी का विकास करना शामिल है। चूंकि हाइड्रोजन ट्रेन-सेट और इसके बुनियादी ढांचे को प्रायोगिक आधार पर विकसित किया गया है, इसलिए इस समय हाइड्रोजन-ईंधन वाली ट्रेनों की लागत की तुलना मौजूदा ट्रेन प्रणालियों से करना उपयुक्त नहीं होगा।'' वैष्णव ने कहा, ''वर्तमान में, यह बड़ी लाइन वाले प्लेटफॉर्म

पर दुनिया का सबसे लंबा (10 डिब्बे) और सबसे शक्तिशाली (2,400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेन-सेट है। इस ट्रेन-सेट में 1200 किलोवाट की दो ड्राइविंग पावर कार (डीपीसी) हैं, जिनकी कुल क्षमता 2400 किलोवाट है, साथ ही आठ यात्री कारें भी हैं।''

अमृत भारत योजना के तहत 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प: रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में रेलवे स्टेशनों का अब तक का सबसे बड़ा रीडेवलपमेंट अभियान जारी है। मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में शुरू की गई इस पहल के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से 160 स्टेशनों का कार्य पूरी तरह पूरा हो चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब स्टेशन विकास केवल रंगाई-पुताई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक मास्टर प्लान पर आधारित है। नए डिज़ाइन में स्थानीय वास्तुकला को महत्व दिया गया है, स्टेशनों पर दोनों ओर से प्रवेश व्यवस्था, बड़े पैसेंजर हॉल, आधुनिक ऋज़इ और दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसे अगले 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वैष्णव ने बेहतर एक्सेस, विस्तृत पार्किंग और नई पैसेंजर-हैंडलिंग सुविधाओं पर भी जोर दिया। दिवाली और छठ के दौरान नई दिल्ली स्टेशन पर बनाए गए होल्डिंग एरिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किस तरह हजारों यात्री भीड़ के बीच आराम से प्रतीक्षा कर पाए। मंत्री ने कहा कि आज स्टेशनों पर सफाई का स्तर 15 वर्ष पहले की तुलना में काफी बेहतर है और सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए नया मानक स्थापित कर रहा है। इस वर्ष जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 103 स्टेशनों के नए रीडेवलपमेंट कार्यों की शुरुआत की थी, जो देशव्यापी आधुनिकीकरण अभियान का एक और महत्वपूर्ण चरण है।

रेलवे ने दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाएँ बढ़ाई

भारतीय रेलवे ने दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, बीमार यात्रियों और गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाए हैं। रेलवे के अनुसार, देश के 5,868 स्टेशनों पर व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई हैं, जिन्हें यात्रियों के परिचारक निःशुल्क उपयोग कर सकते हैं। यदि परिचारक उपलब्ध न हों, तो यात्रियों के लिए लाइसेंस प्राप्त पोर्टरों को मामूली शुल्क पर किराए पर लेने की व्यवस्था भी मौजूद है। इसके अलावा, 79 प्रमुख स्टेशनों पर 196 बैटरी संचालित वाहन उपलब्ध हैं, जिनमें बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाती है। इनमें से कुछ वाहन निःशुल्क और कुछ शुल्क आधारित हैं। रेलवे ने टिकट बुकिंग और यात्रा के दौरान भी कई सुविधाएँ बढ़ाई हैं। वरिष्ठ नागरिकों और 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को टिकट बुकिंग के समय स्वतः ही लोअर बर्थ आवंटित की जाती है। स्लीपर, 3ऐसी और 2ऐसी कोचों में उनके लिए विशेष लोअर बर्थ कोटा भी आरक्षित है। ट्रेन के चलने के बाद भी यदि लोअर बर्थ खाली हों, तो टिकट निरीक्षक उन्हें प्राथमिकता से आवंटित कर सकते हैं। दिव्यांगजन और कुछ बीमारियों से पीड़ित यात्रियों के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर रियायत** उपलब्ध है, जिसका लाभ उनका एक सहायक भी ले सकता है। रेलवे ने कहा कि इन सुविधाओं का उन्नयन एक निरंतर प्रक्रिया है और आगे भी प्रयास जारी रहेंगे।

रेल यातायात रोके बिना स्टेशनों का पुनर्निर्माण बहुत जटिल काम, 160 स्टेशनों पर पूरा हुआ: वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर रेल यातायात रोके बिना पुनर्निर्माण का बहुत जटिल काम किया जा रहा है और 1300 चिह्नित स्टेशनों में से 160 पर यह काम पूरा हो गया है। वैष्णव ने लोकसभा में यह भी कहा कि रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण का काम देश में आजादी के बाद पहली बार किया जा रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य गोडम नागेश के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का पुनर्निर्माण किया जाना है, जिनमें से 160 में यह काम पूरा हो गया है। उन्होंने कहा, ''यह दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन पुनर्निर्माण का कार्यक्रम है। पहले रंगाई-पुताई को ही स्टेशन का विकास मान लिया जाता था। अब आगामी 50 साल के लिए योजना के साथ यह काम किया जा रहा है जिसमें स्थानीय वास्तुशिल्प, पार्किंग क्षेत्र के साथ पुनर्निर्माण के लिए गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं।''

न्यूज इन ब्रीफ

सिविल सेवाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी पांच वर्षों में बढ़कर 35 प्रतिशत हुई : सरकारी आंकड़े

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में उत्तीर्ण होने वाली महिलाओं का अनुपात 2019 में 24 प्रतिशत था और 2023 में बढ़कर 35 प्रतिशत हो गया। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सफल उम्मीदवारों में इंजीनियरिंग स्नातकों का हिस्सा लगातार 50 प्रतिशत से अधिक रहा है। सिंह ने एक प्रश्न का लिखित उत्तर देते हुए पांच साल के आंकड़े प्रस्तुत किए, जिसमें अंतिम योग्यता सूची में महिला उम्मीदवारों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा सकती है। इसके अनुसार वर्ष 2019 में 922 महिला उम्मीदवारों में से अंतिम योग्यता सूची में 220 महिलाएं शामिल थीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 1,132 में से 397 का रहा। साथ ही, इंजीनियरिंग स्ट्रीम के उम्मीदवारों का मेधा सूची में दबदबा बना रहा। वर्ष 2023 में 554 इंजीनियरों की सिफारिश की गई, जो मानविकी (368), विज्ञान (137) और चिकित्सा विज्ञान (73) के उम्मीदवारों की तुलना में कहीं अधिक थी।

पांच वर्षों में जनता की शिकायतों के लंबित मामलों में 74 प्रतिशत की गिरावट आई : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि सार्वजनिक शिकायतों के लंबित मामलों में 74 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है और यह आंकड़ा 2021 के 10.23 लाख से घटकर 30 नवंबर, 2025 तक 2.62 लाख रह गया है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम) के आंकड़ों के हवाले से बताया कि लंबित मामलों में लगातार गिरावट उच्च निपटान दरों, सख्त समयसीमाओं और नये निगरानी तंत्रों के कारण हुई है। सीपीग्राम्स नागरिकों के लिए 24 घंटे उपलब्ध एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से वे सेवा वितरण से संबंधित किसी भी विषय पर सार्वजनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

नासिक में कार से 500 किलोग्राम गोमांस जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक जिले में पुलिस ने एक कार में अवैध रूप से ले जाए जा रहे 500 किलोग्राम गोमांस को जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक सूचना के आधार पर मंगलवार को नासिक-पुणे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अहिल्यानगर से नासिक की ओर जा रही एक कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि चालक के न रुकने पर उन्होंने वाहन का पीछा किया और बाद में राजमार्ग पर जेटवानगर के पास उसे रोक लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान कार्यकर्ताओं को कार में 1.10 लाख रुपये मूल्य का 500 किलोग्राम गोमांस मिला। उन्होंने कार में सवार एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा।

एनएफआर के महाप्रबंधक ने यूनेस्को विश्व धरोहर डीएचआर का निरीक्षण किया

गुवाहाटी : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को यूनेस्को विश्व धरोहर दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) का निरीक्षण किया और इसके संरक्षण तथा आधुनिकीकरण से जुड़ी विभिन्न पहल की समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, श्रीवास्तव ने डीएचआर के प्रमुख हिस्सों का निरीक्षण किया, क्षेत्रीय अधिकारियों से बातचीत की और कई नयी परिसंपत्तियों का उद्घाटन किया व कई विकास पहलों का जायजा लिया। बयान के अनुसार श्रीवास्तव ने टिंधारिया-रोंगतोंग खंड का निरीक्षण किया व संपत्ति तथा चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित डीजल लोकोमोटिव नंबर 606 का उद्घाटन किया और सुरक्षित व उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण के लिए टीम की सराहना की। महाप्रबंधक ने डीएचआर में अपनाई जा रही रखरखाव प्रणालियों की भी समीक्षा की। श्रीवास्तव ने व्यापक रूप से उन्नत घूम संग्रहालय का भी उद्घाटन किया और कहा कि इससे पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। उन्होंने सेवा के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाप इंजन 806बी 'क्वीन ऑफ द हिल्स' की शताब्दी दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

'वीर सावरकर पुरस्कार' स्वीकार नहीं करूंगा और ना ही समारोह में भाग लूंगा: शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/नयी दिल्ली : शशि थरूर ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि वह वीर सावरकर के नाम पर दिए जाने वाले किसी भी पुरस्कार को स्वीकार नहीं करेंगे और न ही इससे संबंधित किसी कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, पार्टी के एक वरिष्ठ सहयोगी ने कांग्रेस सांसद से आग्रह किया कि वह सावरकर के नाम पर दिए जाने वाले किसी भी सम्मान को स्वीकार न करें और दावा किया वह (सावरकर) 'अंग्रेजों के सामने झुक गए थे'। थरूर ने कहा कि पुरस्कार के स्वरूप या इसे देने वाली संस्था के बारे में स्पष्टीकरण के अभाव में वह 'वीर सावरकर पुरस्कार' स्वीकार नहीं करेंगे और न

ही उस कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां यह पुरस्कार दिया जाएगा। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने यह भी कहा कि आयोजकों द्वारा पुरस्कार लेने पर मेरी सहमति के बिना मेरे नाम की घोषणा करना गैरजिम्मेदाराना है। इससे पहले कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने तिरुवनंतुरम में संवाददाताओं से कहा कि सांसद शशि थरूर समेत पार्टी के किसी भी सदस्य को वीर सावरकर के नाम पर कोई पुरस्कार स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि 'वह अंग्रेजों के सामने झुक गए थे'। मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं होता कि थरूर यह पुरस्कार स्वीकार करेंगे क्योंकि ऐसा करना कांग्रेस का अपमान और शर्मिंदगी की बात होगी। थरूर ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि उन्हें इस पुरस्कार के बारे में मंगलवार को ही पता चला और वे समारोह में शामिल होने नहीं जा रहे हैं।

जब संविधान में कई संशोधन किए जा चुके हैं तो कार्य नियमों में बदलाव करने में क्या गलत है: नायडू

अमरावती : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शासन व्यवस्था में सुधार के लिए मौजूदा सरकारी कार्य नियमों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता पर बुधवार को जोर दिया और कहा कि जब संविधान में संशोधन किया जा सकता है, तो जनता के हित में कार्य नियम बदलने में क्या गलत है। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में मंत्रियों, सचिवों और विभागाध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को जनहित में बड़े पैमाने पर बदलाव करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, जब हमने देश के संविधान में कई बार संशोधन किया है, तो लोगों के लाभ के लिए कार्य नियमों में बदलाव करने में क्या बुराई है? नायडू ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनावश्यक नियमों को रद्द किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रौद्योगिकी और 'डेटा लेक' के माध्यम से प्रभावी शासन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी विभागों की दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए ऑडिट करने का निर्देश दिया। नायडू ने कहा कि सरकार के पास प्रत्येक अधिकारी और विभाग के प्रदर्शन की पूरी जानकारी मौजूद है।

केंद्र सरकार ने ओडिशा के लिए 44,771 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी

भुवनेश्वर : केंद्र सरकार ने ओडिशा में 44,771 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं और भुवनेश्वर व पारादीप के बीच एक नयी मार्ग परियोजना के प्रस्ताव को मंजूरी दी। एक मंत्री ने यह जानकारी दी। ओडिशा के मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि मौजूदा राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के उन्नयन एवं नए प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए मंजूरी दी गई है। उन्होंने मंगलवार को नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। लोक निर्माण मंत्री हरिचंदन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, पांच राज्य राजमार्गों और केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि परियोजनाओं के लिए कुल 44,771 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि मंजूर की गईं परियोजनाओं में भुवनेश्वर और पुरी के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण, 140 किलोमीटर लंबी टांगी-पुइंतोला-इच्छापुरम सड़क, 400 किलोमीटर लंबी राउरकेला-बारबिल-पारादीप मार्ग (डुबुरी मार्ग के माध्यम से) और एनएच-149 के तहत 68 किलोमीटर लंबा पल्लाहाड़ा-पितिरी मार्ग शामिल हैं।

महाराष्ट्र : गढ़चिरौली में 82 लाख रुपये के इनामी 11 नक्सलियों का डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण

गढ़चिरौली : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बुधवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के समक्ष 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों के सिर पर सामूहिक रूप से कुल 82 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक जब नक्सलियों ने डीजीपी के सामने हथियार डाले, तब उनमें से चार 'वर्दी' में थे। पुलिस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन पर कुल 82 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इसमें कहा गया है कि बड़ी संख्या में नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा से निराश हो गए हैं, नागरिकों के खिलाफ अंधाधुंध हिंसा से हताश हैं और

महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2005 से लागू की गई आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति की ओर आकर्षित हुए हैं। बयान में कहा गया है कि गढ़चिरौली पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त प्रयासों के कारण इस वर्ष जिले में 112 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। डीजीपी के सामने बुधवार को आत्मसमर्पण करने वालों में मंडल समिति के सदस्य रमेश लेकामी (57) और भीमा कोवासी (35) के अलावा पार्टी मंच समिति के सदस्य पोरिये गोटा (41), रतन ओयम (32) और कमल वेलाडी (30) शामिल हैं। ये सभी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं।

इटली का पुराना व भरोसेमंद मित्र है भारत : उप प्रधानमंत्री ताजानी

नयी दिल्ली : इटली के उप प्रधानमंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि भारत की वृद्धि में इटली महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए औद्योगिक सहयोग, संयुक्त उद्यम एवं सह-विकास परियोजनाओं को मजबूत करने पर विचार कर रहा है। ताजानी अमेरिका की शुल्क नीतियों के मद्देनजर दुनिया भर में व्यापार संबंधों के पुनर्गठन की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके पास विदेश मंत्रालय का प्रभार भी है। 'पीटीआई-भाषा' के लिए विशेष रूप से लिखे गए एक लेख में उप प्रधानमंत्री ने कहा कि इतालवी विदेश मंत्रालय ने स्थानीय बाजार में प्रवेश करने और संयुक्त उद्यम बनाने वाली इतालवी कंपनियों का समर्थन करने के लिए भारत के लिए 50 करोड़ यूरो की एक समर्पित वित्त-पोषण सुविधा (लाइन) शुरू की है। उन्होंने कहा, '' अपनी इस यात्रा के माध्यम से मैं भारत में इटली की और इटली में भारत की मौजूदगी बढ़ाना चाहता हूं। भारत एक विशाल बाजार है, एक तेजी से विकसित होती आर्थिक शक्ति है। बुनियादी ढांचे से लेकर नई प्रौद्योगिकियों तक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं से लेकर अंतरिक्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं।''

नाइटक्लब आग मामला: साझेदार अजय गुप्ता हिरासत में, फरार मालिकों को अदालत से कोई राहत नहीं

लूथरा बंधुओं के पासपोर्ट रद्द करने के गोवा सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा विदेश मंत्रालय

पणजी/नयी दिल्ली : गोवा पुलिस ने बुधवार को 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब के साझेदार अजय गुप्ता को हिरासत में ले लिया और दिल्ली की एक अदालत ने उसकी 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड की याचिका को भी स्वीकार कर ली। पिछले सप्ताहांत नाइटक्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गयी थी।

उत्तरी गोवा स्थित इस क्लब में निवेशक और साझेदार होने का दावा करने वाले गुप्ता को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गोवा पुलिस के अनुरोध पर हिरासत में लिया। गुप्ता को बाद में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के कारण जारी हवाई यात्रा संकट को देखते हुए गोवा पुलिस को उनकी 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड सौंप दी। गुप्ता को दिल्ली में लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी होने के बाद हिरासत में लिया गया था। न्यायाधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रीढ़ की हड्डी में चोट से पीड़ित गुप्ता को गोवा ले जाते समय उचित चिकित्सा देखभाल और समय पर दवा उपलब्ध कराई जाए। इस बीच, आग लगने के कुछ ही घंटों बाद थाईलैंड भागे नाइटक्लब के फरार मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को दिल्ली की अदालत से अंतरिम राहत पाने में असफल रहे।

वायुसेना में महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने में भेदभाव नहीं: केंद्र ने उच्चतम न्यायालय में कहा

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि भारतीय वायुसेना में अल्पकालिक सेवा आयोग (एसएससी) के तहत भर्ती महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2019 से अब तक 243 पुरुष और 177 महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने महिला अधिकारियों की याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि सभी अधिकारियों पर एचआरपी 01/2019 के तहत तीन अवसरों पर निष्पक्ष रूप से विचार किया गया, लेकिन कुछ अधिकारी न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड या रिक्तियों के आधार पर अर्हता प्राप्त नहीं कर सके। उन्होंने बताया कि एनडीए के माध्यम से भर्ती नई महिला कैडेटों को प्रशिक्षण पूरा होने पर सीधे स्थायी कमीशन दिया जाएगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि चयन प्रक्रिया में महिलाओं के साथ समान व्यवहार नहीं किया जा रहा है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।

प्रधानमंत्री ईवीएम नहीं, लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं : कंगना रनौत

नयी दिल्ली : भाजपा सांसद कंगना रनौत ने 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर बुधवार को कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ईवीएम 'हैक' नहीं करते, बल्कि वह लोगों के दिलों को 'हैक' करते हैं। उन्होंने चुनाव सुधार पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर पिछले एक साल से सदन में हंगामा किया। भाजपा सांसद ने चर्चा में एक दिन पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दिए वक्तव्य का हवाला दिया और उन पर तंज कसा। रनौत ने यह भी कहा राहुल

के भाषण के दौरान विपक्ष ने सदन में एक विदेशी महिला की तस्वीर प्रदर्शित कर यहां उसका मुद्दा बनाया, जबकि उन्होंने (महिला) सोशल मीडिया पर कई बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं गई हैं और उनका हरियाणा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन फिर भी इन लोगों ने बिना किसी सबूत के और बिना अनुमति के उनकी यहां तस्वीर उछाली...।'' उनका इशारा एक ब्राजीलियाई महिला की ओर था, जिनका नाम हरियाणा की मतदाता सूची में होने का नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया था। भाजपा सांसद ने कहा, ''सबसे पहले इस सदन की तरफ से उन महिला से मैं माफी मांगती हूं। आजकल व्यक्तित्व अधिकार (के हनन) का भी बहुत बड़ा अपराध होता है। उसके बावजूद उनका यहां फोटो इस्तेमाल किया गया।''

ईडी ने फेमा मामले में आर-इन्फ्रा के 13 बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कहा कि उसने फेमा कानून की जांच के तहत अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक दर्जन से अधिक बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है जिनमें लगभग 55 करोड़ रुपये की राशि जमा है। वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया गया कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इन्फ्रा) ने अपनी विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के जरिये भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा आवंटित राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं से सार्वजनिक धन की हेराफेरी की और उसे अवैध रूप से विदेश भेज दिया। इस घटनाक्रम पर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

ईवीएम के लिए आवंटित राशि के उपयोग पर नजर रखने को तंत्र बनाया जाए: संसदीय समिति

नई दिल्ली : संसद की एक स्थायी समिति ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के लिए आवंटित धनराशि का जनवरी, 2025 तक केवल 10 प्रतिशत ही खर्च किए जाने संबंधी सरकार के जवाब को अस्वीकार करते हुए पैसे के उपयोग पर नजर रखने के लिए एक निगरानी तंत्र बनाने की सिफारिश की है। समिति ने यह भी कहा कि ईवीएम और वीवीपैट की खरीद के लिए आवंटित कोष का समय पर इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने की जरूरत है। संसद के दोनों सदनों में चार दिसंबर को कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति के 149वें प्रतिवेदन पर पेश की गई कार्रवाई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। समिति के पिछले प्रतिवेदन में यह बात सामने आई थी कि विधायी विभाग ने संशोधित प्राक्कलन 2024-25 में ईवीएम के लिए आवंटित 8.17 करोड़ रुपये में से 31 जनवरी, 2025 तक केवल 10 प्रतिशत ही खर्च किया है। इसलिए समिति ने विभाग को ईवीएम पर अपने खर्च के तरीके में सुधार करने का सुझाव देते हुए उम्मीद जतायी थी कि विभाग इस पर अमल करेगा। वहीं, संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में चार दिसंबर को पेश रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने समयबद्ध तरीके से निधि का इस्तेमाल नहीं होने के कारणों के संबंध में बताया कि निर्माताओं से डिजाइन संशोधन और सुधार के संबंध में चालान प्राप्त नहीं होने के कारण राशि के इस्तेमाल में देरी हुई।

हम दुश्मन के किसी भी दुस्साहस को नाकाम करने के लिए पूरी तरह तैयार: वायुसेना प्रमुख

डिब्रूगढ़ (असम) : वायुसेना प्रमुख ए पी सिंह ने बुधवार को यहां कहा कि भारतीय वायुसेना किसी भी शत्रु देश के दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। वर्ष 1971 में पाकिस्तान पर भारत की विजय के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विजय दिवस के अवसर पर आयोजित हवाई प्रदर्शन में भाग लेते हुए एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि भारतीय वायुसेना पिछले अनुभवों के आधार पर अपनी 'स्टील्थ' क्षमता और रणनीति में लगातार सुधार कर रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''अगर कोई शत्रु राष्ट्र किसी भी तरह का दुस्साहस करता है, तो हम उसे करारा जवाब

देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' सिंह ने जोर देकर कहा कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर भारत, विशेष रूप से भारतीय वायुसेना, दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने वर्ष 1971 के युद्ध में भारतीय वायुसेना के योगदान को याद करते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कदमों पर प्रकाश डाला। सिंह ने कहा, ''भारतीय वायुसेना ने जिस दृढ़ता से डटकर अपना काम किया, चाहे वह नवंबर में दिन के समय चलाए गए अभियान हों, अंतिम प्रहार हों या बांग्लादेश में राज्यपाल भवन पर हमला, उसने निर्णायक रूप से युद्ध का अंत किया।'' सिंह ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों की उन 13 दिनों की त्वरित कार्रवाई में उन्होंने पाकिस्तान को दबाव में झुकते और युद्धविराम की अपील करते देखा। उन्होंने कहा, ''यह अभियान न केवल भारतीय वायुसेना के लिए एक बड़ी सफलता थी, बल्कि संयुक्त कार्यकुशलता की भी एक बड़ी उपलब्धि थी। नदी पार करने या हवाई मार्ग से सामान गिराने जैसे नियोजित अभियान सेना और वायुसेना के बीच घनिष्ठ समन्वय के बिना संभव नहीं होते।'' भारतीय वायुसेना प्रमुख ने कहा कि जिस तरह नौसेना समेत तीनों सेनाओं ने सक्रिय भागीदारी के साथ मिलकर काम किया, उससे संयुक्त कार्यकुशलता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण सबक मिला कि संयुक्त अभियान युद्ध में बड़े पैमाने पर जीत दिला सकते हैं। इससे पहले दिन में भारतीय वायुसेना ने डिब्रूगढ़ के मोहनबारी वायुसेना स्टेशन पर एक शानदार हवाई प्रदर्शन के साथ 1971 के युद्ध में अपनी ऐतिहासिक जीत का उत्सव मनाया।

न्यूज ब्रीफ

अगले साल भारत में होगी राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप

नयी दिल्ली: अगले साल नौ से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है। राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है। इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो खो विश्व कप की तरह होगा जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था। अहमदाबाद को हाल में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए मेजबान शहर के तौर पर आधिकारिक रूप से पुष्टि किए जाने के बाद यह भारत में पहला राष्ट्रमंडल खो खो टूर्नामेंट होगा।

शूटआउट में स्पेन को हराकर जर्मनी ने आठवीं बार जीता जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप

चेन्नई : जर्मनी ने बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में बुधवार को स्पेन को शूटआउट में 3-2 से हराकर आठवीं बार जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप जीत लिया । सेमीफाइनल में भारत को हराने वाली जर्मनी के लिये बेनेडिक्ट गेयेर, एलेक वोन श्वेरिन और बेन हासबाश ने गोल किये जबकि स्पेन के लिये पाब्लो रोमन और जुआन प्राडो ही गोल कर सके । इससे पहले निर्धारित समय में जर्मनी के लिये 26वें मिनट में जस्टस वारवेग ने गोल किया जबकि स्पेन के लिये 54वें मिनट में जी कोरोमिनास ने बराबरी का गोल दागा । जर्मन टीम सात बार (1982, 1985, 1989, 1993, 2009, 2013, 2023) खिताब जीत चुकी है । वहीं स्पेन ने 2005 में रोटरडम और 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था । इससे पहले पांचवें और छठे स्थान के मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड को शूटआउट में 4-3 से हराया ।

भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर जीता कांस्य

नौ साल बाद जूनियर हॉकी विश्व कप में पदक

चेन्नई: आखिरी क्वार्टर में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए भारत ने बुधवार को 2021 की चैंपियन अर्जेंटीना को 4-2 से हराकर जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में नौ साल बाद पदक अपने नाम कर लिया। खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने अंतिम 11 मिनट में लगातार चार गोल दागकर शानदार वापसी की। पहले तीन क्वार्टर तक भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ी हुई थी, लेकिन निर्णायक क्षणों में टीम ने जबरदस्त जज्बा दिखाया। भारत की ओर से अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल किए। अर्जेंटीना के लिए निकोलस रौद्रिगेज (5वां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44वां) ने गोल दागे। 49वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर अंकित ने भारत का खाता खोला, जबकि तीन मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल के शॉट को मनमीत ने डिफ्लैक्ट कर स्कोर 2-2 कर दिया। मैच के शूटआउट में जाने की संभावना के बीच 57वें मिनट में भारत को निर्णायक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे शारदानंद ने गोल में बदलकर बढ़त दिलाई। अगले ही मिनट अर्जेंटीना को बराबरी का मौका मिला, लेकिन गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव कर बढ़त बचाए रखी। 58वें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर जीत सुनिश्चित कर दी। पहले हाफ में भारत आक्रामक खेलने के बावजूद पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में नाकाम रहा। दूसरे हाफ में टीम ने तालमेल और रफ्तार दोनों में सुधार दिखाया। इससे पहले भारत 2001 (होबार्ट) और 2016 (लखनऊ) में चैंपियन रह चुका है। नौ साल बाद मिला यह कांस्य पदक टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुआ।

कोहली एकदिवसीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचे, रोहित शीर्ष पर

दुबई : भारत के महान क्रिकेटर विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज का स्थान फिर हासिल करने की कवायद में आगे बढ़ते हुए बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। कोहली अप्रैल 2021 में पाकिस्तान के बाबर आजम द्वारा शीर्ष से हटाए जाने के बाद से दोबारा एकदिवसीय बल्लेबाजों सूची में नंबर एक स्थान हासिल नहीं कर पाए हैं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दाएं हाथ का यह बल्लेबाज एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल करने के करीब पहुंच गया है। सैंतीस साल के कोहली को तीन मैच में 302 रन बनाने के लिए श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और वह नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के सुधार से टीम के अपने साथी रोहित शर्मा के बाद दूसरे स्थान पर आ गए। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में 146 रन बनाकर रैंकिंग के शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी। कोहली विशाखापत्तनम में श्रृंखला के आखिरी मैच में नाबाद 65 रन की पारी की बदौलत रोहित से सिर्फ आठ रेटिंग अंक पीछे हैं। रोहित के 781 जबकि कोहली के 773 अंक हैं। शुभमन गिल चोट के कारण तीन मैच की श्रृंखला में नहीं खेल पाने के बावजूद पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम की अगुआई करने वाले लोकेश राहुल दो स्थान के फायदे से 12वें पायदान पर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में तीन स्थान के फायदे से तीसरे नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक (तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर), एडेन मारक्रम (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) और तेम्बा बावुमा (तीन पायदान ऊपर 37वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

रोहित भैया की डांट में हमेशा लाड़-प्यार होता है: यशस्वी जायसवाल

नयी दिल्ली: भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने बुधवार को कहा कि रोहित शर्मा जब मैदान पर अपने पसंदीदा जूनियर खिलाड़ियों में से किसी को नहीं डांटते तो वे असहज महसूस करने लगते हैं क्योंकि पूर्व कप्तान की डांट हमेशा लाड़ और प्यार से भरी होती है। जब रोहित भारत के टेस्ट कप्तान थे तब मैदान पर खिलाड़ियों की क्षेत्ररक्षण की गलतियों पर अपने मजाकिया अंदाज के लिए मशहूर हो गए थे जो अब 'मीम' के रूप में काफी लोकप्रिय हैं। जायसवाल ने 'एजेंडा आज तक' सम्मेलन में कहा, 'रोहित भैया जब भी हमें डांटते हैं, उसमें बहुत सारा लाड़ और प्यार छुपा होता है। सच कहूं तो अगर रोहित भैया डांट नहीं रहे हों तो लगता है कि कुछ गड़बड़ है, क्या हुआ, डांट क्यों नहीं रहे? कहीं उन्हें मेरी किसी बात से बुरा तो नहीं लगा?' जायसवाल ने विशाखापत्तनम में अपने पहले वनडे शतक के दौरान विराट कोहली और रोहित दोनों के साथ बड़ी साझेदारियां कीं।

क्रिकेट से ज्यादा कुछ पसंद नहीं: स्मृति मंधाना

नयी दिल्ली: स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना को भारत के लिए खेलते हुए 12 साल हो गए हैं और इस दौरान उन्हें महसूस हुआ है कि उन्हें दुनिया में क्रिकेट से ज्यादा कुछ भी चीज पसंद नहीं है। भारत की बाएं हाथ की महान बल्लेबाज मंधाना ने 2013 में अपने पदार्पण से लेकर पिछले महीने टीम की विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने तक की अपनी यात्रा पर बात की। मंधाना ने अपने जुनून के बारे में बात करते हुए बुधवार को यहां 'एमेजॉन संभव सम्मेलन' में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से ज्यादा मैं किसी चीज से प्यार करती हूं। भारतीय जर्सी पहनना ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। आप अपनी सारी परेशानियां एक तरफ रख देते हैं और सिर्फ यही आपको जीवन पर ध्यान लगाने में मदद करता है।' उन्हें अपने सपने को लेकर हमेशा से स्पष्टता थी। उन्होंने कहा, ''बचपन से ही बल्लेबाजी का पागलपन था। कोई समझ नहीं पाता था, लेकिन मेरे दिमाग में हमेशा था कि मुझे विश्व चैंपियन कहलाना है।'' मंधाना ने कहा कि यह ट्रॉफी टीम के लंबे संघर्ष का फल है। भारतीय टीम की उप कप्तान ने कहा, ''यह विश्व कप उन संघर्षों का पुरस्कार था जिनसे हम वर्षों से जूझते आए हैं। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं 12 साल से ज्यादा समय से खेल रही हूं। कई बार चीजें हमारे मुताबिक नहीं होती।

आईओए और इटली की ओलंपिक समिति ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली: भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और इटली की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (सीओएनआई) ने बुधवार को खेलों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसमें दोनों देशों के बीच खेलों के सहयोग में ट्रेनिंग, बुनियादी ढांचा साझा करने और खेल विज्ञान पर विशेष जोर दिया गया है। यह समझौता ''खेलों के संयुक्त प्रोत्साहन, विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और दोनों देशों के उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचे और उत्कृष्टता केंद्रों तक खिलाड़ियों, कोचों और खेल विज्ञान के पेशेवरों की पारस्परिक पहुंच के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करता है।' हस्ताक्षर समारोह में इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी तथा भारत के खेल मंत्री मनसुख मांडविया उपस्थित थे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने अपने बयान में कहा, 'आज भारतीय ओलंपिक आंदोलन के लिए एक गर्व का पल है। इटली की ओलंपिक समिति के साथ यह साझेदारी हमारे खिलाड़ियों को दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित खेल प्रणालियों में ट्रेनिंग करने और सीखने का मौका प्रदान करती है।' खेल मंत्री मांडविया ने कहा, 'यह साझेदारी भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण समय पर हुई है। विश्व स्तरीय सुविधाओं और संयुक्त ट्रेनिंग कार्यक्रमों तक पहुंच हमारे खिलाड़ियों की भविष्य के ओलंपिक चक्रों की तैयारी को काफी मजबूत करेगी।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज दूसरे टी20 में गिल पर रहेगी नजर

न्यू चंडीगढ़: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में रोशनी एक बार फिर शुभमन गिल पर होगी, जो अब तक इस प्रारूप में अपनी छाप छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं। घरेलू मैदान पर खेलते हुए गिल के सामने फॉर्म में लौटने की महत्वपूर्ण चुनौती होगी। पांच मैचों की श्रृंखला में पहले दो मुकाबलों के बीच केवल एक दिन का अंतर होने से गिल को बिना किसी तैयारी समय के सीधे मैदान पर उतरकर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पहले मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से हराकर शानदार शुरुआत की, लेकिन गिल का औसत प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा। टेस्ट और वनडे में कप्तानी के दौरान उनका प्रदर्शन दमदार रहा है, मगर टी20 में वह उसी ताल को नहीं साध पाए हैं। टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं ने अभी भी गिल पर भरोसा जताया है, जिसके चलते संजू सैमसन की जगह भी प्रभावित हुई है। पावरप्ले में तूफानी शुरुआत देने वाले अभिषेक शर्मा के मुकाबले गिल अधिक संतुलित बल्लेबाज हैं, ऐसे में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट करते हुए रन बनाना होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए भी यह मुकाबला अहम है क्योंकि विश्व कप से पहले उनका फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है। पहले मैच में हार्दिक पंड्या की धमाकेदार वापसी ने भारत की बल्लेबाजी को मजबूती दी, जबकि गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह की जोड़ी ने शुरुआती झटके दिए।

अमेरिका को भारत से मिला अब तक का 'सबसे अच्छा' प्रस्ताव, व्यापार वार्ता शुरू

नयी दिल्ली: अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीयर ने कहा है कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भारत से 'अब तक के सबसे अच्छे' प्रस्ताव मिले हैं। यह बयान दोनों देशों के बीच दो-दिवसीय वार्ता यहां शुरू होने के बीच आया है। ग्रीयर ने वाशिंगटन में मंगलवार को सीनेट की विनियोग उपसमिति की सुनवाई में कहा कि भारत में कुछ 'रो क्रॉप्स' और अन्य मांस उत्पादों को लेकर प्रतिरोध है। अमेरिका में 'रो क्रॉप्स' की श्रेणी में मक्का, सोयाबीन, गेहूं और कपास को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा, 'ये एक कठिन मुद्दा रहा है... लेकिन वे काफी सकारात्मक रुख दिखा रहे हैं जिस तरह के प्रस्ताव वे हमें दे रहे हैं वे अब तक किसी भी देश से मिले सबसे बेहतर प्रस्ताव हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारे लिए एक व्यावहारिक वैकल्पिक बाजार हो सकता है।' ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं। अमेरिकी दल व्यापार वार्ता के लिए इस समय भारत में है। दोनों देशों के बीच यहां शुरू हुई दो-दिवसीय वार्ता एक परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए हो रही है। वार्ता के पहले दिन वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर से मुलाकात की। वाणिज्य विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका व्यापार एवं आर्थिक संबंधों से जुड़े मामलों पर विचार-विमर्श किया। इसमें एक पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत भी शामिल है।'

'आपका पैसा, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लें: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत पिछले दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपये की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं। सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपये पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।' अक्टूबर से पांच दिसंबर 2025 तक 477 जिलों में शिविर आयोजित किए गए। इनमें जन प्रतिनिधियों, जिला प्रशासनों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री लोगों से 'आपका पैसा, आपका अधिकार' आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह करते हुए कहा, 'हम आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक बनाना चाहते हैं।'

अदाणी समूह 2031 तक भारत में 12 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगा: गौतम अदाणी

धनबाद (झारखंड): बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में फैले अदाणी समूह की अगले छह वर्षों में भारत में 12 लाख करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना है। समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह जानकारी दी। अदाणी ने कहा कि बुनियादी ढांचे, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा और बंदरगाहों समेत अन्य क्षेत्रों में बड़ा निवेश किया जाएगा। अडाणी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''निवेश की अपार संभावनाएं हैं। हम अगले छह साल में भारत में 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।' उद्योगपति ने कहा कि कोरपोरेट भारत और उद्योगपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भरता के आह्वान के साथ जुड़ रहे हैं, जिसे उन्होंने भारत की नई स्वतंत्रता बताया है। अदाणी ने कहा, ''आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए संघर्ष जारी है... प्रधानमंत्री ने भी इसका आह्वान किया है... यह एक नई आजादी है। हर उद्योगपति और हर समूह इसी पर काम कर रहा है।'' वह आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी समारोह में भाग लेने के लिए यहां आये थे। उन्होंने कहा, प्रस्तावित निवेश में बुनियादी ढांचा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा परिवर्तन, बंदरगाह और अन्य चीजें शामिल होंगी। अदाणी ने कहा, हमने दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में से एक बनने के लिए निवेश किया है... हम ऐसे विस्तार की तैयारी कर रहे हैं जो अगले दशक के लिए भारत की आकांक्षाओं से मेल खाता हो। अदाणी समूह गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रहा है, जो 520 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 275 अंक टूटा

मुंबई: टिकाऊ उपभोक्ता, निजी बैंकों और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच स्थानीय शेयर बाजार के मानक सूचकांक बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 275 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक यानी 0.32 प्रतिशत गिरकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ। यह 11 नवंबर के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 85,020.34 के ऊपरी और 84,313.62 के निचले स्तर को छुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी अंतिम घंटे की बिकवाली के दबाव में 81.65 अंक यानी 0.32 प्रतिशत गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के आखिरी घंटों में उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, निजी बैंक और आईटी शेयरों में हुई बिकवाली ने शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया और सेंसेक्स एवं निफ्टी एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। सेंसेक्स के शेयरों में इटर्नल, ट्रेंट, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर गिरावट में रहे। हालांकि टाटा स्टील, सन फार्मास्यूटिकल्स, आईटीसी, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज़, एच-सीएल टेक्नोलॉजीज, पावरग्रिड और एशियन पेंट्स के शेयरों में बढ़त रही। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय बाजारों ने वैश्विक सतर्कता का अनुसरण किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में अनिश्चितता से धारणा प्रभावित हुई।'' व्यापक बाजारों में मझोली कंपनियों का सूचकांक बीएसई मिडकैप 1.08 प्रतिशत गिर गया जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक 0.58 प्रतिशत गिरा। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवाओं और टिकाऊ उपभोक्ता खंडों में 1.18-1.18 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके अलावा पूंजीगत उत्पाद खंड में 0.99 प्रतिशत, केंद्रित आईटी खंड में 0.94 प्रतिशत और सूचना प्रौद्योगिकी खंड में 0.90 प्रतिशत की गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध 2,332 शेयर घाटे में बंद हुए, जबकि 1,857 शेयरों में तेजी रही।

अमेजन 2030 तक भारत में अपने कारोबार में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का करेगी निवेश

नयी दिल्ली: अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है। अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने अगले पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी। अमेज़न ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 करोड़ नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन..वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ-साथ अरबपति मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इटर्नल लिमिटेड की ब्लिंकट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत 'डिलीवरी' करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है। अमेजन ने 2010 से भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। इसने 2023 में 26 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की। इस नए निवेश से भारत में विक्रेताओं के निर्यात को 2030 तक 20 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 80 अरब अमेरिकी डॉलर करने में मदद मिलेगी। कंपनी ने कहा कि यह निवेश 'रणनीतिक रूप से भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और एआई क्षमताओं के विस्तार, लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, छोटे व्यवसायों के विकास का समर्थन करने तथा रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।'

न्यूज अपडेट

स्पाइसजेट ने सर्दियों में 100 नई उड़ानें शुरू करने की योजना बनाई

मुंबई: घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को कहा कि वह मौजूदा सर्दियों की मांग को पूरा करने के लिए रोजाना 100 अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। एयरलाइन ने कहा कि वह इस सर्दी में प्रमुख मार्गों पर बढ़ती मांग को देखते हुए अपनी उड़ान सेवाओं को बढ़ाने और बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। एक दिन पहले सरकार ने इंडिगो की शीतकालीन समय-सारिणी में 10 प्रतिशत कटौती करने को कहा था, ताकि संकटग्रस्त एयरलाइन अपने संचालन को स्थिर कर सके और उड़ानों के रद्द होने की घटनाओं को कम किया जा सके। स्पाइसजेट ने एक बयान में कहा, 'इस (सेवाओं में बढ़ोतरी) प्रयास के तहत हम मौजूदा शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम के दौरान नियामकीय मंजूरी के अधीन अतिरिक्त 100 दैनिक उड़ानें शुरू करने की योजना बना रहे हैं।'' मौजूदा शीतकालीन समय-सारिणी के तहत स्पाइसजेट को प्रति सप्ताह 1,568 उड़ानें या प्रतिदिन 224 उड़ानें संचालित करने की अनुमति मिली है, जो पिछले साल के मुकाबले 20.89 प्रतिशत अधिक है। इस साल गर्मियों के मुकाबले यह वृद्धि 26.45 प्रतिशत रही है।

मीशो का शेयर 53 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, बाजार मूल्यांकन 77,000 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली: सॉफ्टबैंक के समर्थन वाली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो का शेयर बुधवार को 111 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 53 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे कंपनी का बाजार मूल्यांकन 77,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर मीशो के शेयर का कारोबार 162.50 रुपये पर शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 46.40 प्रतिशत अधिक था। दिनभर में इसमें 59.90 प्रतिशत की तेजी आई जिससे यह 177.49 रुपये प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के अंत में यह 53.56 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 170.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

आरबीआई ने स्वर्ण बॉन्ड को भुनाने के लिए 12,801 रुपये का मूल्य तय किया

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) योजना की दो शृंखलाओं के तहत किए गए निवेश को भुनाने के लिए बुधवार को प्रति यूनिट 12,801 रुपये का मूल्य घोषित किया। आधिकारिक बयान के मुताबिक, एसजीबी 2017-18 श्रेणी-11 (जारी करने की तारीख: 11 दिसंबर 2017) के यूनिट धारकों को अंतिम विमोचन मूल्य के रूप में प्रति यूनिट 12,801 रुपये मिलेंगे। इन यूनिट धारकों ने एसजीबी खरीदते समय प्रति यूनिट 2,954 रुपये निवेश किए थे और उन्हें निवेशित राशि पर 2.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी मिला है। यह योजना देश के लोगों को भौतिक सोने में निवेश करने से हतोत्साहित करने के लिए शुरू की गई थी। पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों में आई तेजी के कारण निवेशकों को मिलने वाले अच्छे रिटर्न की काफी चर्चा रही है। आरबीआई ने 2019-20 शृंखला 1 (विमोचन तिथि: 11 दिसंबर 2025) को भुनाने के लिए भी प्रति यूनिट 12,801 रुपये का मूल्य घोषित किया है। आरबीआई ने कहा कि यह कीमत भारतीय सर्राफा एवं आभूषण संघ लिमिटेड (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित 99.9 शुद्धता वाले सोने की पिछले तीन कार्य दिवसों की औसत कीमत के आधार पर तय की गई है।

इंडिगो संकट के कारण दिल्ली के व्यापार, पर्यटन क्षेत्र को 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान: सीटीआई

नयी दिल्ली: उद्योग एवं व्यापार मंडल सीटीआई ने बुधवार को अनुमान जताया कि इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से दिल्ली के व्यापार, उद्योग, पर्यटन और प्रदर्शनी क्षेत्र को लगभग 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दिल्ली के बाजार संगठनों के निकाय 'चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री' (सीटीआई) ने एक बयान में दावा किया कि पिछले दस दिनों में शहर के बड़े बाजारों में आने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की एक दिसंबर से अब तक 4,000 से ज़्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं, जिससे यात्रा योजना में काफी रुकावट आई है।

वर्ष 10, पूर्णांक 3439 अंक 249, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in